हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय - प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 220 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 27 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

मंदसौर से अहमदाबाद
एसी बस प्रतिदिन रात्रि 08.15बजे
(व्हाया-नीमच, उदयपुर)
जय श्री गणेश ट्रेवल्स
स्थान-महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड, मंदसौर
मो-9407259243, 8871603134

बड़ा अस्पताल:बारिश में फिर मंडराएंगा खतरा

69 साल पुराने अस्पताल भवन में मंडरा रही मौत, हर साल गिरता है छत या छज्जा..11 साल में 11 हादसे

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। बड़े अस्पताल में एक बार फिर बारिश के तीन माह मौत का सायां मंडराएगा। कारण है बड़े अस्पताल का 69 साल पुराना भवन। बीते कुछ सालों की बात करें तो लगभग हर साल यहां छज्जा या छत गिरने जैसे हादसे हो रहे हैं। थोड़ी बहुत मरम्मत और वार्ड से मरीजों की शिफ्टिंग जैसे जुगाड़ लगाकर काम चलाया जा रहा है। बता दे कि बीते 11 साल में 11 हादसे यहां हो चुके हैं। जिसमें मरीज या मरीजों को चोटें भी आई है।

इंदिरा गांधी चिकित्सालय के नाम से और सुंदरलाल पटवा मेडिकल कालेज से संबद्ध बड़े अस्पताल का भवन मरम्मत के सहारे मानो जैसे तैसे जिंदगी की आखिरी सांसें गिन रहा है। अभी तक 11 साल में 11 बार प्लास्टर, छत या छज्जा गिरने के हादसे हो चुके हैं। इसका कारण है कि बारिश का पानी सालों पुरानी दीवारों से रिसता है। इससे दीवारें कमजोर होकर प्लास्टर गिर जाता है। एक दशक से इसके मरम्मत की मांग उठ रही है। लेकिन, अस्पताल प्रशासन को सरकार की तरफ से कोई सफलता नहीं मिली है। लगभग हर साल हादसे होने लगे हैं। दो तीन साल पहले महिला मेडिकल वार्ड में छज्जा गिरने से एक व्यक्ति के घायल होने के बाद प्रबंधन ने वार्ड खाली करवाकर जर्जर हिस्सों को स्वयं गिरवाया। इसके बाद वापस मरीजों को वार्ड में शिफ्ट कर दिया। अभी भी बड़े अस्पताल में करीब आधा दर्जन वार्ड जर्जर हैं। सालों से यहां के अधिकारी शासन से पत्राचार की औपचारिकता पूरी कर रहे हैं। जनप्रतिनिधि भी बड़े अस्पताल की मरम्मत के लिए राशि जुटाने में विफल रहे हैं। ऐसे में जिले में कभी भी बड़े हादसे की आशंका है। जिले की 15 लाख से ज्यादा की आबादी को स्वास्थ्य सेवा देने वाला बड़ा अस्पताल का भवन स्वयं के खराब स्वास्थ्य से जूझ रहा है।

69 साल से भी अधिक पुराना...

उल्लेखनीय है कि अस्पताल भवन का शिलान्यास मध्यभारत वाले दौर में मुख्यमंत्री रहे तखतमल जैन ने 26 जनवरी 1956 को किया था। वर्तमान में पांच सौ बेड की क्षमता वाले बड़े अस्पताल में छह दशक से ज्यादा पुराने निर्माण वाले हिस्से में मेडिकल वार्ड, फीमेल वार्ड के अलावा आर्थो, प्रायवेट कक्ष आदि है। जबकि, ओपीडी को करीब दो दशक पुराने निर्माण वाले हिस्से में संचालित किया जा रहा है। स्पष्ट है कि वार्डो में जोखिम बरकरार है।

70 प्रतिशत से अधिक भवन में रिसता पानी...

बड़े अस्पताल के 70 फीसदी से अधिक भवन में पानी रिसने की समस्या बनी हुई है। इसके कारण छतों का प्लास्टर भी गिरने लगा है। वर्ष 2014 के बाद से ही कभी प्लास्टर तो कभी छत का हिस्सा गिर रहा है। अब तक आधा दर्जन बार ऐसे हादसे हो चुके हैं। इससे अधिक (सिंधी वार्ड, महिला मेडिकल, प्राइवेट वार्ड, सर्जिकल वार्ड, पुरुष मेडिकल) वार्ड व एक दर्जन से अधिक कार्यालय कक्षों की छतों से प्लास्टर गिर रहा है। इनके सरिये तक बाहर दिखने लगे हैं। 11 साल से समस्या को लेकर आवाज उठ रही है। समय-समय पर अधिकारियों ने सुधार को लेकर बैठकें भी की। लेकिन, निराकरण नहीं हो सका। 11 साल में स्थानीय प्रशासन ने पीडब्ल्यूडी के माध्यम से कहीं-कहीं पेचवर्क कराया। लेकिन, उससे कोई लाभ नहीं मिला। जर्जर भवन के चलते लगभग हर साल बड़े अस्पताल में छतों से प्लाटर गिरने से हादसे हो रहे हैं। कई लोग घायल हो चुके हैं, शासन शायद किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

प्लास्टर गिरने की हुई यह कुछ घटनाएं...

✻ 01 अगस्त 2014 को मेडिकल वार्ड में छत का प्लास्टर गिरा। पलंग पर सो रही महिला को चोट आई थी। ✻ 31 अगस्त 2014 को महिला मेडिकल वार्ड की छत का प्लास्टर गिरने से एक महिला मरीज घायल हो गई थी। ✻ 20 सितंबर 2014 को बर्न वार्ड के बाहर गलियारे में छत का प्लास्टर गिरा। ✻ 14 अप्रैल 2015 को मेडिकल वार्ड के बाहर बगीचे की ओर बना छज्जा गिर गया। रात का समय होने से हादसा टल गया। ✻ 20 सितंबर 2015 को बर्न वार्ड के बाहर गलियारे में छत से सीमेंट के बड़े टुकड़े गिरे। यहां से गुजरते रोगी सहम गए। ✻ 15 सितंबर 2019 को सर्जिकल वार्ड के बाहर गलियारे की छत हिस्सा गिर गया था, तब भी बड़ा हादसा टल गया। ✻ 02 जुलाई 2021 को हड्डी वार्ड के बाहर गलियारे की छत का प्लास्टर अचानक भरभराकर गिर गया। गलियारे में बैठी दो महिलाओं को चोट भी लगी। ✻ 06 जुलाई 2022 को बड़े अस्पताल मेडिकल वार्ड में सुवासरा निवासी सलामुद्दीन पिता शकूर खान अपनी पत्नी का इलाज कराने आया था। लेकिन, छत का प्लास्टर गिरने से स्वयं घायल हो गया। सलामुद्दीन का भी बड़े अस्पताल में उपचार हुआ। ✻ 01 जुलाई 2023 को महिला सर्जिकल वार्ड की छत से मलबा गिरा। जिससे सात लोग बाल-बाल बचे। ✻ 02 अगस्त 2024 को अस्पताल के इमरजेंसी रूम के आगे इंट्री गेट के पास छज्जा गिरा, जिससे तीन लोग बमुश्किल बचे।

परेशानी: लोगों को ज्यादा कीमत चुकाकर खरीदने पड़ रहे स्टांप

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर में 5, 10 और 50 रुपए के स्टांप टिकट नहीं मिल रहे। 20 रुपए का टिकट 50 में बिक रहा। स्टांप की मांग के मुकाबले सप्लाई नहीं हो रही। जबकि, रोज स्टांप टिकट अलग-अलग कामों में लगते हैं। नतीजतन कोर्ट में समय पर पेशियां नहीं हो पा रही है, जमानत लेट हो रही है, कोर्ट का काम प्रभावित हो रहा है। इतना ही नहीं शपथ पत्र, किरायानामा, घोषणा पत्र, प्रमाण पत्र, नोटरी, नामांतरण, छोटे लोन के बॉन्ड जैसे कामों में 5 से 20 रुपए तक के स्टांप की जरूरत होती है। अब इनकी जगह 50 से 100 रुपए तक के स्टांप लेने पड़ रहे हैं। इसके बावजूद 50 रुपए के स्टांप नहीं मिल पा रहे हैं। दरअसल आईजी पंजीयन ने ऑनलाइन सेवा शुरू करने के लिए ऑफलाइन टिकट प्रिंटिंग के लिए ऑर्डर नहीं जारी किया। नतीजतन टिकट की किल्लत शुरू हो गई है। हालांकि ट्रेजरी के अधिकारियों का तर्क है कि रेवेन्यू टिकट की सप्लाई पर्याप्त है, लेकिन 50 के टिकट के अलावा सभी का स्टॉक है।

> **सीधी बात - अमित तोमर, आईजी पंजीयन, वाणिज्यिक कर विभाग मप्र**
>
> **स्टांप टिकट बाजार में उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। 05 और 10 के स्टांप टिकट तो गायब ही हो गए हैं?**
>
> ✻ हां ऐसा हो सकता है, अभी जिलों से डिमांड आई नहीं है। हम यह व्यवस्था ऑनलाइन करने की तैयारी कर रहे हैं?
>
> **किस वित्तीय वर्ष से ऑनलाइन किया जाएगा।**
>
> ✻ केंद्र सरकार के मुताबिक तो इसी वित्तीय वर्ष की तैयारी है। हालांकि हम सभी जिलों से स्टॉक की जानकारी मंगवा रहे हैं। इसके आधार पर आगे का निर्णय लिया जाएगा।
>
> **तो क्या अभी टिकट की किल्लत बनी रहेगी?**
>
> ✻ अमूमन अधिकांश काम ई-स्टांप से हो जाता है। कुछ ही चीजों के लिए ऑफलाइन टिकट की जरूरत पड़ती है। हमने ई-स्टांप की व्यवस्था भी शुरू कर दी है। मेरे हिसाब से कोई ऐसी किल्लत वाली स्थिति नहीं होनी चाहिए।

रोजाना पड़ती है स्टाम्प की जरूरत...

प्रतिदिन स्टांप टिकट की अच्छी खासी खपत होती है। लेकिन, मांग के अनुसार सप्लाई नहीं हो रही। बताया जाता है कि 10 से 25 हजार तक के स्टांप पर्याप्त हैं। लेकिन, 5, 10, 20 और 50 रुपए के स्टांप नहीं मिल पाए हैं। इधर, जानकारी के अनुसार भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर को नोडल बनाया गया है। यहां के ट्रेजरी से डिमांड आने पर आईजी पंजीयन विभाग इसे प्रिंटिंग के लिए भेजते हैं।

न्यायालय का कामकाज भी हो रहा प्रभावित...

अभिभाषकों के अनुसार कोर्ट का काम प्रभावित हो रहा है। नोटिस के लिए 05 रुपए का टिकट लगता है, इसे मैन्युअल डिपॉजिट करने की सुविधा भी नहीं है। एक एप्लीकेशन में 10 रुपए का टिकट लगाना है, पर अलग से कोई व्यवस्था नहीं है। कोर्ट में यह लिखना पड़ता है कि टिकट न होने के कारण कोर्ट फीस देरी से भरी जाएगी। हालांकि कुछ जज लिबर्टी दे देते हैं, लेकिन कुछ जज ऐसा नहीं करते हैं।

सरकारी स्कूल परिसर में युवक की हत्या

एक माह पहले डीजे पर नाचने को लेकर हुआ था विवाद

रतलाम, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले के बड़ोदिया गांव में एक माह पहले शादी समारोह में डीजे पर नाचने को लेकर हुए विवाद की रंजिश में रविवार रात फिर से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि लाठी और पत्थर चले। जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। घटना स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत बड़ोदिया की है, जो शहर से करीब 10 किलोमीटर दूर है। मृतक का नाम श्यामलाल पिता रूपलाल है।

दरअसल रविवार रात श्यामलाल के अंकल के बेटे दीपक की शादी चल रही थी। शादी में दीपक के गांव और ईटावाखुर्द से कुछ दोस्त शामिल हुए थे। सभी ने गांव के शासकीय माध्यमिक स्कूल परिसर में शराब पी। इसी दौरान पुराने डीजे विवाद को लेकर कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। लाठी-डंडे और पत्थरों से हमला कर दिया गया। हमले में श्यामलाल की मौत हो गई, जबकि मनोज और दशरथ घायल हुए हैं। विवाद की सूचना पर स्टेशन रोड, माणकचौक और सालाखेड़ी पुलिस थानों से बल मौके पर पहुंचा। घायलों को बड़े अस्पताल लाया गया है। जहां डॉक्टरों ने श्यामलाल को मृत घोषित कर दिया। दो अन्य घायलों को प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। मृतक का सोमवार दोपहर पीएम कर शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

स्कूल परिसर में लगे कैमरे को तोड़ा...

जिस जगह घटना हुई है, उस स्कूल परिसर में सीसीटीवी लगे है। लेकिन, घटना के पहले उन कैमरे को तोड़ दिया। रात में मारपीट के दौरान चिल्लाचोट होने पर घरवालों को पता चली। जब गांव वाले वहां पहुंचे भी? को देख हमला करने वाले वहां से भाग गए।

एक माह पहले हुई थी शादी...

श्यामलाल के अंकल लखन भीलवाड़ा ने बताया कि श्यामलाल की शादी एक माह पहले पिपलौदा में हुई थी। वह मजदूरी करता था। घटना के समय उसका छोटा भाई संजय भी साथ था। संजय का कहना है कि गांव के सुनील, गौरीशंकर, जगदीश ने ईटावाखुर्द के लड़को को बुलाया था। जबकि, उन्हें शादी में नहीं बुलाया था। पुराने विवाद में बातचीत करने के लिए बुलाकर हमला किया।

08 आरोपी हिरासत में...

पुलिस कप्तान श्री अमित कुमार ने बताया कि डीजे पर नाचने को लेकर एक माह पहले हुए विवाद की रंजिश में यह घटना हुई। 12 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने 8 आरोपियों को हिरासत में ले लिया है, बाकी की तलाश जारी है।

पौने दो किलो अफीम के साथ हरियाणा के दो तस्करों को दबोचा

नीमच, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले की नयागांव पुलिस ने रविवार देर रात नीमच-निम्बाहेड़ा हाईवे पर रेलवे फाटक के पास नाकाबंदी के दौरान हरियाणा के दो अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया है। चौकी प्रभारी नयागांव मंगलसिंह राठौड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक सफेद बलेनो कार को रोका। कार चालक ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने घेराबंदी कर कार को रोका। कार की तलाशी के दौरान चालक सीट के पास वाली सीट के नीचे से पारदर्शी प्लास्टिक की थैली में 1.785 किलो अफीम बरामद हुई। पुलिस ने कार चालक दीपक उम्र 25 वर्ष और उसके साथी अनूप उम्र 55 वर्ष को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी हरियाणा के रोहतक जिले के मोखरा खास गांव के रहने वाले हैं।पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

60 किलो डोडाचूरा जप्त, 1 गिरफ्तार, दो भाई फरार

पिपलियामंडी, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने एक युवक से 60 किलो डोडाचूरा पकड़ा। दो अरोपी फरार है। पिपलिया पुलिस ने कनघट्टी मार्ग पर गश्त के दौरान कनघट्टी मार्ग खोखरा घाटी पर एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागा। जिसे पकड़ा तो उसके पास 3 कट्टे भरे मिले। जिसकी तलाशी लेने पर 60 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान बोतलगंज निवासी शाहिद उर्फ लाला (25) पिता फारुख न्यायरगर होना बताई। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया व डोडाचूरा जब्ती में लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मुलतानपुरा निवासी सोहेल पिता मुबारिक टांडिया ने मुझे डोडाचूरा देकर कहा था कि मेरा भाई फिरोज पिता मुबारिक टांडिया खोखरा घाटी पर मिलेगा। उसके साथ डोडाचूरा लेकर राजस्थान जाना है। पुलिस के अनुसार सोहेल व फिरोज फरार है। जिनके खिलाफ भी केस दर्ज किया है।

डेढ़ क्विंटल से ज्यादा छिलका पकड़ा, एक आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। शामगढ़ थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करो के खिलाफ कारवाई करते हुए रविवार -सोमवार की दरमियानी रात एक आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 01 क्विंटल 56 किलो डोडाचूरा अर्थात छिलका जब्त किया है।

मुखबीर सूचना पर पुलिस ने जूनापानी तालाब के पास नाकाबंदी की। शामगढ़ तरफ से आ रही मेहंदिया रंग की हुंडई एक्सटर कार को रोका गया। तलाशी लेने पर 08 प्लास्टिक के कट्टों में कुल 156 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद हुआ। जिसकी

कीमत 03.12 लाख बताई जा रही है। पुलिस ने कार चालक बंजारी बावडीखेड़ा निवासी गोविंद सिंह उम्र 36 वर्ष को गिरफ्तार कर उसके पास से 30 हजार रुपए की कीमत के दो मोबाइल फोन भी जब्त किए। शामगढ़टीआई धर्मेंद्र शिवहरे के मुताबिक पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद द्वारा अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उसी के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। सोमवार को उसे न्यायालय में पेश कर रिमांड प्राप्त करने के बाद पुलिस आरोपी से पूछताछ कर डोडाचूरा की तस्करी के स्रोत का पता लगाएगी।

अनियंत्रित बाइक खेत में उतरी, मां-बेटी घायल

पिपलियामंडी, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। फोरलेन पर सडक दुर्घटना में मां-बेटी घायल हो गई। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम 5.30 बजे सोनिक बायोकेम फेक्ट्री के यहां अनियंत्रित होकर बाइक सड़क से नीचे खेत में उतर गई। बाइक जमुनिया खुर्द (नीमच) निवासी कन्हेयालाल चला रहे थे। पीछे बैठी उनकी पत्नी केसरबाई (30) व 5 वर्षीय बेटी प्रेमी घायल हो गई। सूचना पर दोनों को एम्बलसेंस से अस्पताल भर्ती कराया।

काका को भतीजे ने पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। भतीजे ने काका को पीटा। पुलिस ने केस दर्ज किया। जोगणी निवासी मदनलाल पिता मांगीलाल बावरी ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि खेत पर मेरे भाई कंवरलाल का लडका गणपत मजदूरों के साथ गड्ढा खोद रहा था। मैंने गड्ढा खोदने से मना किया तो गणपत ने गालियां दी व मारपीट की। जिससे गाल पर चोंट आई। पुलिस ने गणपत पर केस दर्ज किया।

क्राईम बैठक- मंदसौर में पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने जिले के पुलिस अधिकारियो बैठक लेकर क्राईम की स्थिति को जानकर त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए।

एट लेन वीडियों कांड: मनोहर को मिली जमानत

अब वायरल करने वाले एट लेन कर्मियों की पुलिस को तलाश

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। एट लेन एक्सप्रेस वे अश्लील वीडियो कांड में रविवार को भानपुरा पुलिस ने भाजपा नेता मनोहर लाल धाकड़ को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। जहां से उसे जेल भेजने के बाद सोमवार को न्यायालय ने उसे जमानत पर रिहा कर दिया। उधर पुलिस को अब तक महिला के बारे में कुछ भी पता नहीं लग पाया है। इसके साथ ही वीडियों वायरल करने वालें टोल कर्मचारियों समेत कुछ अन्य लोगों की पुलिस को तलाश है।

बताया जाता है कि गिरफ्तारी के बाद अधिकारियों ने मनोहरलाल से पूछताछ की और इसमें मनोहर के साथ मौजूद महिला के संबंध में पुलिस ने जानकारी निकालने की कोशिश की। लेकिन, मनोहरलाल ने महिला के बारे में पूरी तरह से चुप्पी साधे रखी। पुलिस को वीडियो लीक करने वाले कर्मचारियों समेत कुछ अन्य लोगों की तलाश है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि टोल कर्मचारियों ने ब्लैक मेल करके मनोहरलाल से एक लाख रुपए मांगे थे। 20 हजार रुपए नकद भी लिये गए थे। इसके बाद 80 हजार रुपए और देने का आश्वासन भी दिया गया था।

बताया जा रहा है कि जब पुलिस अधिकारियों ने मनोहर से महिला के बारे में पूछा तो आरोपी धाकड़ ने महिला को जानने से ही मना कर दिया और कहा कि मैं उसको नहीं जानता हूं। महिला को लेकर बहुत देर तक आरोपी ने झूठ बोला। पुलिस पूछताछ के बाद आरोपी धाकड को एक्सप्रेस वे के घटनास्थल पर ले गई। उसके बाद फिर थाने लेकर आई। यहां पर बीएनएस की धारा 170 के तहत कार्रवाई कर तहसील न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी धाकड़ को जैल भेज दिया गया।

कॉल डिटेल भी खंगाल रहीं पुलिस...

पुलिस के सूत्रों की माने तो भाजपा नेता धाकड की कॉल डिटेल भी निकाली जा रही है। जिसमें यह देखा जाएगा किन-किन लोगों से धाकड ने बात की है। उसमें शामिल सभी लोगों को बुलाकर पुलिस पूछताछ करेंगी। इसके अलावा एक्सप्रेस वे से जिन कर्मचारियों की सूची मिलेगी। उन सभी से भी पूछताछ की जाएगी। एक्सप्रेस वे के अधिकारियों ने तीन कर्मचारियों को निकालने की बात कही है। ऐसे में उन तीन कर्मचारियों पर ब्लेकमेलिंग को लेकर पूछताछ की जाएगी और आगे नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने कहा नहीं मिली जानकारी...

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे के अधिकारियों ने कहा कि पुलिस को जानकारी दी है। जबकि, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उनको एक्सप्रेस वे की ओर से कोई सूची उपलब्ध नहीं करवाई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक्सप्रेस वे से एक ओर फुटेज लिया जाएगा। जिसमें सात से आठ लोग धाकड़ से मिले। उनके खिलाफ ब्लैकमेल का मामला भी दर्ज किया जाएगा।

कायम रहा, कि नहीं जानता कौन महिला थी...

ऐसा बताया जा रहा है कि पूछताछ में जब पुलिस अधिकारियों ने महिला के बारे में पूछा तो आरोपी धाकड़ ने महिला को जानने से ही मना कर दिया और कहा कि मैं उसको नहीं जानता हूं। महिला को लेकर बहुत देर तक आरोपी ने झूठ बोला। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपी धाकड़ को एक्सप्रेस वे के घटनास्थल पर ले गई। उसके बाद फिर थाने लेकर आई। यहां पर बीएनएस 170 धारा के तहत कार्रवाई तहसील न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी धाकड़ को जैल भेज दिया गया।

छह से आठ कर्मचारियों ने घेरा...

भाजपा नेता ने कहा कि नीमथुर पॉइंट के पास हमारी कार को एनएचएआई के 06 से 08 कर्मचारियों ने आकर घेर लिया और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगे। 01 लाख रुपए की डिमांड की। मेरे पास 20 हजार नकद थे तो दे दिए। बाकी के 80 हजार रुपयों को लेकर ही उनमें से किसी ने वीडियो वायरल कर दिया। धाकड़ ने बाद के कुछ दिनों तक हुई ब्लैकमेलिंग के बारे में भी विस्तार से बताया और मोबाइल बंद रखने के पीछे वही वजह बताई। इसके बाद भानपुरा पुलिस उसे 08 लेन वाले घटनाक्रम के पॉइंट पर साथ लेकर गई और क्राइम सीन का रिक्रिएशन कराया।

इनका कहना....

आरोपी से पूछताछ की गई है। तहसील न्यायालय में पेश किया था। जहां से आरोपी धाकड़ को जैल भेज दिया गया। एक्सप्रेस वे से सूची आना शेष है। सूची में जिनके नाम होगें। सभी कर्मचारियों से पूछताछ की जाएगी। जिन तीन कर्मचारियों को निकाला है, उनसे पूछताछ कर आगे की काईवाई की जाएगी। घटनाक्रम के आधे घंटे बाद का एक फुटेज भी निकाला जा रहा है। उस फुटेज के बाद आगे की कार्रवाई भी की जाएगी।

अभिषेक आनंद
पुलिस कप्तान मंदसौर

विचार-मंथन

जानलेवा ना बन जाएं हीट रिस्क का फैलाव

जलवायु परिवर्तन की दुश्वारियों में से एक देश और दुनिया के देशों में हीट रिस्क के व्यापक प्रभाव से आसानी से समझा जा सकता है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 2011 से 2022 के दशक के अध्ययन के अनुसार देश में हीट रिस्क का दायरा बहुत अधिक बढ़ गया है। मजे की बात यह है कि अब दिन की तुलना में रातें भी अधिक गर्म होने लगी है। इसका एक बड़ा कारण आज की भवन निर्माण विधि और शहरों में कंक्रिट का जंगल विकसित होना और अन्य के साथ ही इलेक्ट्रोनिक उत्पाद खासतौर से अत्यधिक उर्जा खपत वाले फ्रीज और कूलर की जगह लेते एयरकण्डीशनर भी एक है। घटते जंगल और आबादी का दबाव भी एक बड़ा कारण है। ऊर्जा के रुप में जो संसाधान उपयोग किये जा रहे है वे भी जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारक बन रहे है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरमेंट एण्ड वॉटर सीईईडब्ल्यू की हालिया रिपोर्ट अत्यधिक चिंतनीय और हालात की गंभीरता को दर्षाती है। रिपोर्ट की माने तो देश की तीन चौथाई आबादी आज हीट रिस्क की जद में आ चुकी है। देश के 734 जिलों में से 417 जिले तो अत्यधिक जोखिम वाले जिलों में शुमार हो चुके हैं। कम जोखिम वाले जिलों मे तो केवल और केवल 116 जिले ही रह गये है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि वैसे तो हीट रिस्क के दायरें में नोर्थ ईस्ट और उत्तरी भारत के नाममात्र के क्षेत्र को छोड़ दिया जाये तो समूचा देश आज हीट रिस्क के दायरें में आ चुका है। देश के 10 जिले राजस्थान, दिल्ली, आन्ध्र प्रदेश, केरल, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तरप्रदेश हीट रिस्क की अत्यधिक जद में आये प्रदेश व केन्दशासित राज्य है।

ऐसा नहीं है कि हमारे देश में ही हीट रिस्क का दायरा बढ़ रहा है। अपितु अब यह वैश्विक समस्या हो चुकी है। दुनिया के देशों में तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। तेज गर्मी की तपन से हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं। जंगलों में दावानल और बैमौसम आदि तूफान, सूखा या बाढ़ ऐसी समस्यायें आने लगी है जिससे साल दर साल अब अधिक दोचार होना पड़ रहा है। अमेरिक का फर्नेस क्रीक सबसे अधिक गर्म स्थान है तो ट्यूनिशिया का केबिली, कुवैत का मित्रिबाह, ईरान का अहवाज और लुट रेगिस्तान, चीन का फ्लेमिंग आदि स्थान ऐसे है जो सर्वाधिक गर्मी वाले स्थान है। इसके साथ ही मौसम के मिजाज में भी बदलाव आया है। सर्दी में गर्मी और गर्मी में सर्द रात जैसे व असमय आंधी बरसात आम होती जा रही है। गर्मी के दिन बढ़े है। फरवरी तक अब अपनी परंपरागत मौसम का दायरा छोड़ते हुए अत्यधिक गर्मी वाले महीनों में से एक होने लगा है। आखिर यह मौसम का बदलाव भावी संकट की और साफ साफ इशारा कर रहा है। समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है। ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। समुद किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अब डूबने का डर सताने लगा है। अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के जंगलों में जिस तेजी से आग की घटनाएं बढ़ रही है वह अपने आप में अलग चुनौती होती जा रही है। बीमारियों का असर बढ़ रहा है। हालात गंभीर होते जा रहे हैं।

हीट रिस्क के बढ़ते दायरे को देखते हुए आज हीट एक्शन प्लान बनाये जाने लगे हैं। हांलाकि कि यदि केवल सामान्य नागरिकों के बढ़ती गर्मी के कारण होने वाले प्रभाव पर ही बात की जाए तो गर्मी बीमारियों का प्रमुख कारण बनती जा रही है। कई मिलियन मौतों का कारण हीट वेव है। निर्जलीकरण तो एक प्रमुख कारण है ही इसके साथ ही कार्डियोरेस्पिरेटरी के मामलें आम होते जा रहे हैं।

भारतीय राष्ट्रवाद को नई आँखों से देखिए!

प्रो. संजय द्विवेदी

देश में इन दिनों राष्ट्रवाद चर्चा और बहस के केंद्र में है। ऐसे में यह जरूरी है कि हम भारतीय राष्ट्रवाद पर एक नई दृष्टि से सोचें और जानें कि आखिर भारतीय भावबोध का राष्ट्रवाद क्या है? 'राष्ट्र' सामान्य तौर पर सिर्फ भौगोलिक नहीं बल्कि 'भूगोल-संस्कृति-लोग' के तीन तत्वों से बनने वाली इकाई है। इन तीन तत्वों से बने राष्ट्र में आखिर सबसे महत्वपूर्ण तत्व कौन सा है? जाहिर तौर पर वह 'लोग' ही होंगें। इसलिए लोगों की बेहतरी, भलाई, मानवता का स्पंदन ही किसी राष्ट्रवाद का सबसे प्रमुख तत्व होना चाहिए।

जब हम लोगों की बात करते हैं तो भौगोलिक इकाईयां टूटती हैं। अध्यात्म के नजरिए से पूरी दुनिया के मनुष्य एक हैं। सभी संत, आध्यात्मिक नेता और मनोवैज्ञानिक भी यह मानने हैं कि पूरी दुनिया पर मनुष्यता एक खास भावबोध से बंधी हुयी है। यही वैश्विक अचेतन (कलेक्टिव अनकांशेसनेस) हम-सबके एक होने का कारण है। स्वामी विवेकानंद इसी बात को कहते थे कि इस अर्थ में भारत एक जड़ भौगोलिक इकाई नहीं है। बल्कि वह एक चेतन भौगोलिक इकाई है जो सीमाओं और सैन्य बलों पर ही केंद्रित नहीं है। भारतीय राष्ट्रवाद मनुष्य के विस्तार व विकास पर केंद्रित है। जिसे भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' कहकर संबोधित किया। यह 'वसुधैव कुटुम्बकम्' राजनीतिक सत्ता का उच्चार नहीं है। उपनिषद् का उच्चार है।

सारी दुनिया के लोग एक परिवार, एक कुटुम्ब के हैं, इसे समझना ही दरअसल भारतीय राष्ट्रवाद को समझना है। यह राष्ट्रवाद मनुष्य की सांस्कृतिक एकता के विस्तार का प्रतीक है और हमारे सांस्कृतिक मूल्य, मानववादी सांस्कृतिक मूल्यों पर केंद्रित है। हमारी भारतीय अवधारणा में राज्य निर्मित भौगोलिक-प्रशासनिक इकाईयां प्रमुख स्थान नहीं रखतीं बल्कि हमारी चेतना, संस्कृति, मूल्य आधारित जीवन और परंपराएं ही यहां हमें राष्ट्र बनाती हैं। हमारे सांस्कृतिक इतिहास की ओर देखें तो आर्यावर्त की सीमाएं कहां से कहां तक विस्तृत हैं, जबकि सच यह है कि इस पूरे भूगोल पर राज्य बहुत से थे, राजा अनेक थे- किंतु हमारा सांस्कृतिक अवचेतन हमें एक राष्ट्र का अनुभव कराता था। एक ऐतिहासिक सत्य यह भी यह है कि हमारा राष्ट्रवाद दरअसल राज्य संचालित नहीं था, वह समाज और बौद्धिक चेतना से संपन्न संतों, ऋषियों द्वारा संचालित था। वह राष्ट्रवाद इस व्यापक भूगोल की चेतना में समाया हुआ था। यहां का ज्ञान विस्तार जिस तरह चारों दिशाओं में हुआ,वह बात हैरत में डालती है। राजा सिर्फ राज्य बनाते हैं, ऋषि अपने सांस्कृतिक अवदान से राष्ट्र बनाते हैं।

आप देखें तो बुद्ध पूरी दुनिया में अपने संदेश को यूं ही नहीं फैला पाए, बल्कि उस ज्ञान में एक ऐसा नवाचार, नवचेतन था जिसे दुनिया ने स्वतः आगे बढ़कर ग्रहण किया। भारत कई मायनों में अध्यात्म और चेतना की भूमि है, सच कहें तो दुनिया की तमाम स्थितियों से भारत एक अलग स्थिति इसलिए पाता है, क्योंकि यह भूमि संतों के लिए, ज्ञानियों के लिए उर्वर भूमि है। दुनिया के तमाम विचारों की सांस्कृतिक चेतना जड़वादी है, जबकि भारत की चेतना जैविक है। इसलिए भारत मरता नहीं है, क्योंकि वह जड़वादी और हठवादी नहीं है। यहां का मनुष्य सांस्कृतिक एकता के लिए तो खड़ा होता है पर विचारों में जड़ता आते ही उससे अलग हो जाता है। हमारा ईश्वर आंतरिक उन्नयन और पाप क्षय के लिए काम करता है। हमारे संत भी आध्यात्मिक उन्नयन और पापों के क्षय के लिए काम करते हैं। मनुष्य की चेतना का आत्मिक विस्तार ही इस राष्ट्रवाद लक्ष्य है। इसलिए यह सिर्फ एक खास भूगोल, एक खास विचारधारा और पूजा पध्दति में बंधे लोगों के उद्धार के लिए नहीं, बल्कि समूची मानवता की मुक्ति के काम करने वाला यह विचार है। यहां मानव की मुक्ति ही उसका लक्ष्य है। यह राष्ट्रवाद सैन्यबल और व्यापार बल से चालित नहीं है, बल्कि यह चेतना के विस्तार, उसके व्यापक भावबोध और मनुष्य मात्र की मुक्ति का विचार से अनुप्राणित है।

भारतीय संदर्भ में राष्ट्रवाद को समझना वास्तव में मानवतावाद के व्यापक परिप्रेक्ष्य को समझना है। यह विचार कहता है- +संतों को सीकरी से क्या काम+ और फिर कहता है' 'कोई नृप होय हमें क्या हानि+। इस मायने में हम राज या राज्य पर निर्भर रहने वाले समाज नहीं थे। राजा या राज्य एक व्यवस्था थी, किंतु जीवन मुक्त था-मूल्यों पर आधारित था।

पूरी सांस्कृतिक परंपरा में समाज ज्यादा ताकतवर था और स्वाभिमान के साथ उदार मानवतावाद और एकात्म मानवदर्शन पर आधारित जीवन जीता था। वह चीजों को खंड-खंड करके देखने का अभ्यासी नहीं था। इसलिए इस राष्ट्रवाद में जो समाज बना, वह राजा केंद्रित नहीं, संस्कृति केंद्रित समाज था। जिसे अपने होने-जीने की शर्तें पता थीं, उसे उसके कर्तव्य ज्ञात थे। उसे राज्य की सीमाएं भी पता थीं और अपनी मुक्ति के मार्ग भी पता थे। इस समाज में गुणता की स्पर्धा थी- इसलिए वह एक सुखी और संपन्न समाज था। इस समाज में भी बाजार था, किंतु समाज- बाजार के मूल्यों पर आधारित नहीं था। आनंद की सरिता पूरे समाज में बहती थी और आध्यात्मिकता के मूल्य जीवन में रसपगे थे। भारतीय समाज जीवन अपनी सहिष्णुता के नाते समरसता के मूल्यों का पोषक है। इसीलिए तमाम धाराएं, विचार, वाद और पंथ इस देश की हवा-मिट्टी में आए और अपना पुर्नअविष्कार किया, नया रूप लिया और एकमेक हो गए। भारतीयता हमारे राष्ट्रवाद का अनिवार्य तत्व है। भारतीयता के माने ही है स्वीकार। दूसरों को स्वीकार करना और उन्हें अपनों सा प्यार देना। यह राष्ट्रवाद विविधता को साधने वाला, बहुलता को आदर देने वाला और समाज को सुख देने वाला है। इसी नाते भारत का विचार आक्रामकता का, आक्रमण का, हिंसा या अधिनायकवाद का विचार नहीं है। यह श्रेष्ठता को आदर देने वाली,विद्वानों और त्यागी जनों को पूजने वाली संस्कृति है। अपने लोकतत्वों को आदर देना ही यहां राष्ट्रवाद है। इसलिए यहां भूगोल का विस्तार नहीं, मनों और दिलों को जीतने की संस्कृति यहां जगह पाती है।

यहां शांति है, सुख है, आनंद है और वैभव है। यह देकर, छोड़कर और त्यागकर मुक्त होती है। समेटना यहां ज्ञान को है, संपत्ति, जमीन और वैभव को नहीं। इसलिए फकीरी यहां आदर पाती है और सत्ताएं लांछन पाती हैं। इसलिए यहां लोकसत्ता का भी मानवतावादी होना जरूरी है। यहां सत्ता विचारों से, कार्यों से और आचरण से लोकमानस का विचार करती है तो ही सम्मानित होती है। वैसे भी भारतीय समाज एक सत्ता निरपेक्ष समाज है। वह सत्ताओं की परवाह न करने वाला स्वाभिमानी समाज है। इसलिए उसने जीवन की एक अलग शैली विकसित की है, जो उसके राष्ट्रवाद ने उसे दी है।

यही स्वाभिमान एक नागरिक का भी है और राष्ट्र का भी। इसलिए वह अपने अध्यात्म के पास जाता है, अपने लोक के पास जाता है और सत्ता या राज्य के चमकीले स्वप्न उसे रास नहीं आते। इसी राष्ट्र तत्व को खोजते हुए राजपुत्र सत्ता को छोड़कर वनों, जंगलों में जाते रहे हैं, ज्ञान की खोज में,सत्य की खोज में, लोक के साथ सातत्य और संवाद के लिए। राम हों, कृष्ण हों, शिव हों, बुद्ध हों, महावीर हों- सब राजपुत्र हैं, संप्रभु हैं और सब राज के साथ समाज को भी साधते हैं और अपनी सार्थकता साबित करते हैं। इसलिए भारतीय जमीन का राष्ट्रवाद एक अलग कथा है, उसे पश्चिमी पैमानों से नापना गलत होगा। आज इस वक्त जब भारतीय राष्ट्रवाद की अनाप-शनाप व्याख्या हो रही है, हमें ठहरकर सोचना होगा कि क्या सच में हममें अपने राष्ट्र की थोड़ी भी समझ बची है?

दुखद यादें हमारे मन पर एक अलग तरह का प्रभाव डालती हैं

रजनीश जैन

जब हम किसी कठिन परिस्थिति में होते हैं, तो सुखद यादें हमें आशा और आत्मविश्वास से भरती हैं। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति जो अपने करिअर में असफलता का सामना कर रहा हो, वह अपनी पिछली सफलताओं की यादों से प्रेरित होकर फिर प्रयास कर सकता है। मनोवैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, सुखद यादें मस्तिष्क में डोपामाइन जैसे रसायनों का स्राव बढ़ाती है, जो हमें खुशी और उत्साह का अनुभव कराते हैं। इस प्रकार, सुखद यादें न केवल हमारे भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर करती हैं, बल्कि तनाव और चिंता को कम करने में भी सहायक होती हैं।

दूसरी ओर, दुखद यादें हमारे मन पर एक अलग तरह का प्रभाव डालती हैं। किसी प्रियजन की हानि, असफलता या किसी दर्दनाक घटना की यादें हमें उदास, चिंतित या भयभीत कर सकती हैं। ये यादें कभी-कभी इतनी प्रबल होती हैं कि वे हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित करने लगती हैं। मसलन, किसी व्यक्ति को बार-बार अपने जीवन की किसी दुखद घटना की याद आना, उसे अवसाद या तनाव की स्थिति में ले जा सकता है। मनोविज्ञान में इसे 'पोस्ट-ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसआर्डर' के रूप में भी जाना जाता है, जहां दुखद यादें व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव डालती है। हालांकि, दुखद यादें हमेशा नकारात्मक नहीं होतीं। कई बार ये हमें जीवन के कठिन सबक सिखाती और हमें अधिक मजबूत बनाती हैं।

सुखद और दुखद यादों का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी देखा जा सकता है। सुखद यादें हमें दूसरों के साथ जुड़ने और सामाजिक बंधन को मजबूत करने में मदद करती हैं। परिवार या दोस्तों के साथ बिताए गए खुशी के पल हमें एक-दूसरे के करीब लाते हैं और सामाजिक एकता को बढ़ाते हैं। त्योहारों या पारिवारिक समारोहों की यादें हमें अपने सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं से जोड़े रखती हैं। इसके विपरीत, दुखद यादें कभी-कभी हमें दूसरों से अलग कर सकती हैं। मसलन, किसी व्यक्ति में अपने किसी दुखद अनुभव के कारण सामाजिक मेलजोल से दूरी बनाए रखने की प्रवृत्ति हो सकती है। हालांकि, कई बार दुखद यादें हमें दूसरों के प्रति सहानुभूति और करुणा विकसित करने में भी मदद करती हैं। जो लोग स्वयं दुख का अनुभव कर चुके हैं, वे दूसरों के दुख को बेहतर समझ पाते हैं और उनकी सहायता के लिए प्रेरित होते हैं।

सुखद यादें हमें सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। अगर किसी व्यक्ति को अपने पिछले अनुभवों से यह विश्वास हो कि वह कठिन परिस्थितियों से उबर सकता है, तो वह भविष्य में जोखिम लेने और नई चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिक तैयार होगा। दूसरी ओर, दुखद यादें हमें सतर्क और सावधान करती हैं। ये हमें उन गलतियों से बचने के लिए प्रेरित करती हैं, जो हमने अतीत में की थीं। हालांकि, अगर दुखद यादें अत्यधिक प्रभावी हो जाएं, तो वे हमें नकारात्मक सोच की ओर ले जा सकती हैं, जिससे हमारा आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

यादों का प्रभाव समय के साथ बदलता रहता है। सुखद यादें समय के साथ और अधिक सुंदर और मूल्यवान लगने लगती हैं, जबकि दुखद यादों का असर धीरे-धीरे कम हो सकता है। मनोवैज्ञानिक इसे 'फेडिंग इफेक्ट बायस' कहते हैं, जहां नकारात्मक भावनाएं समय के साथ कमजोर पड़ जाती है और सकारात्मक भावनाएं अधिक मजबूत हो जाती हैं। यह प्रक्रिया हमें जीवन में आगे बढ़ने और दुखद अनुभवों से उबरने में मदद करती है। कुछ दुखद यादें इतनी गहरी होती हैं कि वे लंबे समय तक हमारे मन पर प्रभाव डालती रहती हैं। ऐसी स्थिति में मनोवैज्ञानिक उपचार, जैसे 'कान्गिटिव बिहेवियरल थैरेपी' यादों के नकारात्मक प्रभाव को कम करने में सहायक हो सकता है।

सुखद और दुखद यादों का संतुलन हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। अगर हम केवल सुखद यादों पर ध्यान केंद्रित करें, तो हम जीवन की वास्तविकताओं से अनजान रह सकते हैं। वहीं, अगर हम दुखद यादों में डूबे रहें, तो हमारा जीवन नकारात्मकता से भर सकता है। इसलिए, दोनों प्रकार की यादों को स्वीकार करना और उनसे सीखना महत्वपूर्ण है। ध्यान, योग और लेखन हमें अपनी यादों को संतुलित करने और उनके प्रभाव को सकारात्मक दिशा में मोड़ने में मदद कर सकते हैं। अपनी यादों को डायरी में लिखने से हम उन्हें बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनसे निपटने के लिए रणनीतियां बना सकते हैं।

सुखद यादें हमें खुशी, प्रेरणा, और सामाजिक जुड़ाव प्रदान करती हैं, जबकि दुखद यादें सबक, सहानुभूति, और

सैनिकों की आलोचना करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं

पूरन चंद सरीन

अक्सर नागरिकों की ओर से सेना, सैनिकों और उनके द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई पर नेताओं से लेकर सामान्य व्यक्ति तक आलोचना करता रहता है। कुछ भी टिप्पणी करने से पहले यह समझना जरूरी है कि भारत की सैन्य व्यवस्था का संचालन कैसे होता है और कौन करता है। सैन्य व्यवस्था-स्वतंत्रता मिलने से पहले भारतीय सेना का गठन ब्रिटिश हुकूमत द्वारा देशवासियों को दबाने और उन पर अत्याचार कर उन्हें हमेशा गुलाम बनाए रखने के लिए किया गया था।

सेना प्रमुख की हैसियत गवर्नर जनरल के बाद थी और वह सभी तरह के फैसलों में प्रमुख भूमिका निभाता था। अधिकारियों में भारतीय भी थे और जब आजाद हुए तो उनकी मानसिकता में भी बदलाव आया। प्रधानमंत्री नेहरू ने इस दिशा में सबसे पहला काम यह किया कि सेना को राजतंत्र से बाहर निकाला और देश के रक्षा मंत्रालय के अधीन कर दिया। इससे हुआ यह कि सेना कमांडरों की देश की सुरक्षा के अतिरिक्त अन्य कोई जिम्मेदारी नही थी। प्रशासनिक व्यवस्था में उनका दखल नहीं था और वे किसी भी प्रकार की नीति निर्धारण के लिए सरकार पर आश्रित थे। मंत्रालयों के सचिव किसी भी योजना की जांच-परख कर मंत्रियों के पास भेजते थे और स्वीकृति मिलने के बाद उस पर अमल किया जाता था।

देखा जाए तो यह व्यवस्था का पहला चरण था जो 1947 से 1962 तक चला। चीन से युद्ध की चुनौती सामने आई और हम पराजित हुए तो लगा कि कहीं न कहीं कुछ ऐसा है जिसे अगर समझा और बदला नहीं गया तो देश सैन्य ताकत में पीछे रह जाएगा और यह झटका लगा कि 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' का नारा कितना खोखला था। 1957 से 1962 तक तब के रक्षा मंत्री कृष्णा मेनन की राजनीतिक सोच की भी आलोचना हुई और उन्हें इस पराजय के लिए जिम्मेदार माना गया। पंडित नेहरू के सबसे विश्वस्त और प्रभावशाली व्यक्तित्व वाले मेनन ने इस अवधि में अपने हथियारों को समय के हिसाब से तैयार करने में भूल की और शत्रु ने मित्रता की आड़ में इसका लाभ उठाकर हमारी जमीन पर इस तरह कब्जा किया कि वह जब चाहे भारत पर हमला कर सकता है क्योंकि उसके सैन्य ठिकाने ऊपर हैं, मतलब वह हम पर हमेशा निगरानी कर सकता है। नेहरू जी चीन से युद्ध के बाद 20 महीने जीवित रहे और उन्होंने इस दौरान खुद को हार का जिम्मेदार समझते हुए भारत की सैन्य शक्ति का विस्तार करने की योजना बनाई। उन पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने भारत की सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण पर ध्यान नहीं दिया।

उनकी सोच थी कि दूसरे विश्व युद्ध की भयानक तस्वीर देखकर कोई भी देश अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों को युद्ध के जरिए सुलझाने की कोशिश नहीं करेगा। कहा जाता है कि उन्हें चीन के विश्वासघात से गहरा आघात लगा जो उनकी मृत्यु का कारण बना। परंतु अक्साई चिन का मामला आज तक नासूर बनकर रिसता रहता है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प ने दोनों देशों के बीच रिश्तों को चौपट करने का काम किया। सेना की प्रतिष्ठा - सन् 1963 से 1998 का दौर सेना और नागरिकों के संबंधों का दूसरा चरण कहा जा सकता है। लाल बहादुर शास्त्री ने सैनिक मामलों पर सामान्य जनता से संवाद करने के लिए 'जय जवान' का उद्घोष किया।

1965 के पाकिस्तान के साथ युद्ध में जीत मिलने का कारण हमारी सैन्य क्षमता थी लेकिन उससे अधिक भारतीयों ने एकजुटता और साहस का परिचय दिया। सरकार ने नागरिकों और सैनिकों के बीच जो दूरी बन गई थी, उसे कम करने के प्रयास किए और अपनी कमियों को सुधारने में लग गई। सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें आधुनिक हथियारों से लैस किया और युद्ध की नई तकनीक से परिचित कराया। हमने अमरीका और रूस दोनों से युद्ध के शस्त्र और तकनीक लेने की बात की और नेहरू के गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत को छोडने में भलाई समझी और सैन्य शक्ति और सैन्य नेतृत्व के लिए सभी देशों से मदद लेना शुरू किया।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5607

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5606

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 5607

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1965 को इस देश में संविधान लागू हुआ था (4)
4. चतुर, होशियार, प्रवीण, प्रख्यात (3)
6. सर्वसाधारण, लोग, पुराणानुसार पांचवां लोक जहां से मनुष्य उत्पन्न होते हैं (2)
7. आतंक, भय (4)
9. सुनिश्चय नहीं, बिल्कुल नहीं (3)
11. प्रेम, प्यार, मोहब्बत (2)
13. नजदीक, करीब, समीप, निकट (2)
14. मुर्गे की जाति का एक प्रसिद्ध पक्षी, कपिंजल (3)
16. चमड़े आदि का कोड़ा यह कहलाता है (3)
19. किसी का नाम किसी बात, आदि के लिए निश्चित किया जाना (5)
21. अखबार, दस्तावेज आदि का लिखित पत्र, समाचार पत्र (3)
23. मुझे (मराठी)(2)
24. धूल आदि साफ करने की वस्तु (3)
25. सोने, चांदी आदि पर बनाया जाने वाला रंगीन काम (2)

ऊपर से नीचे
1. इस डायरी में प्रतिदिन की कार्रवाई का विवरण लिखा जाता है (5)
2. स्वीकार करना, धारण को स्थिर करना, सावधान करना (3)
3. स्मरण, स्तुति (2)
4. पुराणानुसार यह अप्सराओं की जननी है (4)
5. सौ का सूचक अंक (2)
8. निराकरण, निष्पत्ति, एक कृषि उपकरण (2)
10. अशुद्धि, अशुचि, अपवित्र, बेढंग (3)
12. यह मरुस्थल भारत के उत्तर पश्चिम में तथा पाकिस्तान के दक्षिण-पूर्व में स्थित है (2)
15. स्थानांतर, परिवर्तन (4)
17. यह हंगरी की राजधानी है (4)
18. अपमान, अनादर, असम्मान (2)
19. नारी का अपभ्रंश, गला, गर्दन (2)
20. दृढ़तापूर्वक बैठना, तरल पदार्थ का ठोस रूप में बदलना (2)
22. किंतु, परंतु, मैत्र, लेकिन (2)

वर्ग पहेली 5606 का हल

त	जौ	च	मं	डी	■	अ	थ
ज	ल	न	■	र	म	आ	न
खी	■	ज	न	ता	■	न	व
म	ख	■	गा	■	इ	■	जू
■	ति	■	री	■	अ	न	क
अ	■	■	र	नि	क	■	■
स	छि	ल	■	ता	र	पी	न
म	ल	■	जा	र	मी	■	ट

शिवना शुद्धिकरण अभियान के तहत 26 वें दिन 14 ट्राली जलकुंभी निकाली

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री विपिन जैन के नेतृत्व एवं आव्हान पर चल रहा शिवना नदी शुद्धिकरण अभियान प्रगति की ओर है। प्रतिदिन बढ़ती गर्मी में भी श्रमदानियों का उत्साह कम नहीं हो रहा है। श्रमदानी दो घण्टे पसीना बहाकर और शिवना नदी के पानी में 4-5 फीट अंदर उतरकर जलकुंभी और गदंगी निकालने का काम कर रहे है। 26 मई को 14 ट्राली जलकुंभी व गंदगी नदी से निकाली गई। अभियान के शुरू होने से अभी तक 310 ट्राली जलकुंभी व गंदगी शिवना नदी से निकाली जा चुकी है।

सोमवार को शिवना शुद्धिकरण अभियान में विधायक श्री विपिन जैन, ग्राम खजुरिया सारंग से बलराम पाटीदार, विनोद पाटीदार, अमलावद गांव से कैलाश कुमावत, इन्द्रेश कुमावत, महिपालसिंह, मनीष मीणा, सिंदपन गांव से शंभुलाल चौहान, किशोर पाटीदार, मनोज माली, राहुल चौधरी, लालूराम झावा, राकोदा गांव से मूलचंद पाटीदार, गिरधारीलाल सूर्यवंशी, समाजसेवी महेश दुबे, घनश्याम भावसार, अभिषेक तिवारी, नमन पालीवाल, नितनेश बसेर, भंवरलाल प्रजापत, अमृत सौलंकी, उमेदसिंह बेस, महेश मालवीय, विजय आनंद, एम्ब्रोज वाल्टर, राकेश जैन पिंटू महिला नेत्री में रफत पयामी, सोनाली जैन, प्रमिला पंवार, दीपा दालवानी, अनिता भदौरिया, मीना चौहान, चन्द्रकलासिंह भावसार, आशा पोरवाल, गीताली पोरवाल, दीपाली पोरवाल, शैली पोरवाल, ललिता काला, अवधि पोरवाल, सलोनी पोरवाल, कांग्रेसजन तरूण खिंची, विकास दशोरा, किशोर गोयल, राजेश फरक्या, राजनारायण लाड, संजय नाहर, अम्बालाल हिंगोरिया, विश्वास दुबे, साबिर इलेक्ट्रीशियन, मुकेश यादव, मनोहर नाहटा, रमेश सिंगार, शिवशंकर सौलंकी, राजेश चौधरी, शैलेन्द्र गोस्वामी, सादिक गोरी, डॉ. सोहनलाल धाकड, अकरम खान, विपिन कटारिया, आमिन खान, रमेश ब्रिजवानी, अजय सोनी, राकेश सेन, गगन माली, गोपाल बंजारा, राजा भाई, भविष्य गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में आमजन श्रमदान करने उपस्थित हुए।

आत्म प्रशंसा की अभिलाषा का त्याग आत्म कल्याण का आधार-दवे

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा श्री सांई मंदिर माल गोदाम रोड पर आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। भागवताचार्य पं.ओमप्रकाश दवे ने कहा कि वासना से उपासना, राग से वीतराग, असत्य से सत्य और जग से जगदीश की ओर जाने के लिए आत्म प्रशंसा की अभिलाषा का त्याग जरूरी है। यही आत्म कल्याण का मार्ग है। आपने कहा कि आध्यात्मिक सत्संग ही शांति का सूत्र है। धर्म ग्रंथो के ज्ञान से सदाचरण की प्रेरणा मिलती है। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि संसार मे आज भी भले लोगो की संख्या अधिक है किन्तु सत्कार्यो की चर्चा कम होती है। बुरे कार्यो की ओर ध्यान केन्द्रित रहता है। सक्रिय दुर्जनो से अधिक खतरनाक निष्क्रिय सज्जन है। जो सज्जन है वे सक्रिय होगे तो ही समाज का भला होगा। साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि मन, मस्तिष्क का असंतोष जाहिर कर देने से तनाव समाप्त हो जाता है। इसलिए हंसने और रोने मे कृपणता उचित नही है। श्री राजकुमार जसवंत ने भोजन और पोषण श्रृंखला में अपने विचार रखे। श्री अभय जैन, श्री सुरेश पण्ड्या, श्री शांतिलाल सोनी, श्री विनोद चैबे, अमरनाथ भाटी, महेश नारायण कानूनगो ने गीत भजन प्रस्तुत किये। श्री मदनलाल शर्मा, श्री नरेन्द्रपालसिंह राणावत, श्री ओमप्रकाश जायसवाल, श्री प्रवीण गुप्ता, श्री हरीश दवे, श्री योगेन्द्र जोशी, श्री निर्मल मच्छीरक्षक, श्री ओमप्रकाश मालवीय, श्री पंकज वेद ने संवाद मे सहभागिता की। आध्यात्मिक संवाद के संयोजक श्री रमेश ब्रिजवानी ने गतिविधियो की जानकारी दी। आध्यात्मिक चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा ने संचालन किया। आभार प्रदर्शन श्री सांई मंदिर के प्रबंधक श्री ललित भारद्वाज ने किया।

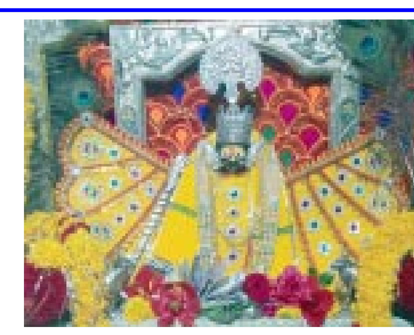

श्री लक्ष्मीनारायण (सांवलिया सेठजी) मंदिर की दानपेटियों से निकली 4 लाख 67 हजार रू. से अधिक की दान राशि

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। ग्राम लदूसा स्थित भगवान श्री लक्ष्मीनारायण (सांवलिया सेठजी) मंदिर अंचल ही नहीं पूरे देश में ख्याति अर्जित करता जा रहा है। यहां विराजित भगवान श्री सांवलिया सेठजी के दर्शनार्थ दूर-दूर से भक्त आ रहे है। यह हर चौदस पर खुलने वाली दान पेटियों से प्राप्त राशि से स्वत ही पता चल रहा हैं। इस बार कृष्ण पक्ष की चौदस 26 मई को मंदिर की दानपेटियों से 4 लाख 67 हजार 400 रू. की दान राशि प्राप्त हुई। जिसे मंदिर समिति के बैंक खाते में जमा कराया गया।

उक्त जानकारी देते हुए मंदिर समिति के महेश व्यास लदूसा ने बताया कि विगत दिनों युवाचार्य वरूणेन्द्रजी तीर्थ जगद्गुरू शंकराचार्य भानपुरा पीठाधीश्वर भी मंदिर पधारे। आपने मंदिर में दर्शन कर अपने उद्बोधन में समस्त लदूसा नगरवासी एवं मंदिर समिति के कार्य की सराहना करी। एवं अपने आशीर्वचन में बताया कि अगर इसी प्रकार पारदर्शी तरीके से धार्मिक आयोजन होते रहे तो आने वाले समय में मालवा क्षेत्र में यह मंदिर ख्याति प्राप्त करेगा। इस प्रतिमा को देखकर आपने मंडफिया धाम की सांवलिया सेठ की प्रतिमा के समान तेज होने की बात कही। महेश व्यास लदूसा ने बताया कि प्रति अमावस्या को मंदिर पर दर्शन के लिये सुबह 5 बजे से रात्रि 11 बजे तक दर्शन करने लगभग 15 हजार से अधिक दर्शनार्थी पहुंचते है। आज 27 मई, मंगलवार को अमावस्या के दिन सायं 7.30 बजे मंदिर में महाआरती का आयोजन रखा गया है। उसके पश्चात् महाप्रसादी का आयोजन किया गया है जिसके लाभार्थी श्री समरथ पिता बंशीलाल धाकड़ (मेहता) परिवार दलौदा (धुंधड़का वाले) रहेंगे। मंदिर समिति ने सभी धर्मालुजनों से महाआरती व महाप्रसादी में पधारकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

श्री रामदरबार मंदिर संबंध में ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। धर्मधाम गीता भवन में गीता भवन परिसर में श्री राम दरबार (भगवान राम-लक्ष्मण-सीता और हनुमान) भव्य मंदिर निर्माण के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक गीता भवन ट्रस्ट के परम पूज्यनीय अध्यक्ष स्वामी रामनिवासजी महाराज की अध्यक्षता में 25 मई 2025 को आयोजित की गई।

उल्लेखनीय है कि धर्मधाम गीता भवन में श्री राम दरबार मंदिर निर्माण की प्रस्तावना अयोध्या में परम मंगलमय रामलला प्रतिष्ठापना दिवस पर धर्मधाम गीता भवन के परम संरक्षक रामस्नेही परम पूज्य 108 जगद्गुरू शाहपुरा पीठाधीश्वर आचार्य श्री रामदयालजी महाराज के कर कमलों से भूमिपूजन किया गया था। मंदिर का निर्माण धर्म एवं समाजसेवी गीता भवन ट्रस्ट उपाध्यक्ष श्री जगदीश चौधरी परिवार के सौजन्य से होगा। धर्मधाम गीता भवन में जहां एक ओर महाप्रभु श्री वज्रांग देव का दिव्य मंदिर है ही साथ ही भगवान श्री कृष्ण का मंदिर है। वहीं भगवान राम दरबार मंदिर की प्रतिष्ठापना से दर्शनार्थियों को एक साथ एक ही स्थान पर भगवान राम कृष्ण दर्शन का लाभ मिलेगा। गीता भवन के अध्यक्ष स्वामी श्री रामनिवास जी महाराज की इच्छा व प्रेरणा से चौधरी परिवार द्वारा श्री राम दरबार मंदिर निर्माण करवाया जा रहा है। बैठक का संचालन करते हुए ट्रस्ट के सचिव पं. अशोक त्रिपाठी ने गीता भवन की गतिविधियों की जानकारी दी व बताया कि गीता भवन की दुकानों वाले स्थान पर भी निर्माण कार्य श्री राम दरबार मंदिर बनने के साथ ही प्रारम्भ हो जाएगा। दुकानों के लगभग सभी न्यायालयीन फैसले गीता भवन के पक्ष में रहे है। चौधरी परिवार द्वारा श्रीराम मंदिर दरबार का नक्शा, साईज दिये जाने की औपचारिकता के साथ श्री राम मंदिर बनाये जाने की ट्रस्ट द्वारा अनुमति पत्र प्रदान कर दिया गया।

उपस्थित रहे- धर्मधाम गीता भवन संरक्षक नरेन्द्र नाहटा, उपाध्यक्ष जगदीश चौधरी, सचिव पं. अशोक त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष विनोद चौबे, वरिष्ठ सदस्य पं. धीरेन्द्र त्रिवेदी, बंशीलाल टांक, शेषनारायण माली।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सुधीर सिंह निगवाल के निर्देशन में 26 मई 2025 को ग्राम पंचायत मुहम्मदपुरा/मैनपुरा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती अपर्णा लोधी उपस्थित रहीं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को नि:शुल्क विधिक सहायता योजना, मध्यप्रदेश पीड़ित प्रतिकर योजना एवं महिलाओं से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विधिक प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी साथ ही, NALSA की टोल-फ्री हेल्पलाइन संख्या 15100 के माध्यम से मिलने वाली विधिक सहायता के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम में विदिशा सोशल वेलफेयर सोसाइटी की ओर से सामाजिक कार्यकर्ता मोनिका वरुण भी उपस्थित रहीं, जिन्होंने बाल विवाह, बाल श्रम तथा बाल यौन शोषण से संबंधित कानूनों की विस्तारपूर्वक जानकारी उपस्थित महिलाओं को दी एवं इस प्रकार के मामलों में जागरूकता एवं विधिक उपायों की महत्ता पर प्रकाश डाला। शिविर में ग्राम पंचायत मैनपुरा की सरपंच श्रीमती चम्पा माली, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एवं बड़ी संख्या में महिला ग्रामीणजन उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पैरा लीगल वॉलेंटियर श्री रामकुवर एवं ग्राम सरपंच श्रीमती चंपा माली एवं विधि छात्र सपनेश माली की विशेष भूमिका रही।

अभा पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक परिषद जिला मंदसौर की त्रैमासिक बैठक का आयोजन शहीद भगतसिंह डिफेंस अकादमी दलौदा में किया गया।

सर्वप्रथम मार्गदर्शक एस.के. त्रिपाठी द्वारा भारत माता व शहीद भगत सिंह के तस्वीर पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात सर्वसहमति से जिला एवं इकाई कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। जिसमें उपाध्यक्ष पद पर नरेंद्र खटवड़, संगठन मंत्री प्रहलाद राठौड़, सहसचिव जितेंद्र माली, उप मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह शक्तावत, धुंधडका इकाई प्रभारी कमल सिंह चंद्रावत, कयामपुर इकाई प्रभारी राम प्रसाद गहलोत को नियुक्त किया गया। संगठन द्वारा सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को बधाई शुभकामनाएं दी। संगठन द्वारा अभी तक हुए आय व्यय के बारे में कोषाध्यक्ष द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई साथ ही संगठन में कुछ कड़े फैसले भी लिए गए जिसमें संगठन हित में सुचारू रूप से अनुशासित होकर चले। संचालन धर्मेंद्र सोनी ने किया व आभार रूपचंद महावर ने माना। इस अवसर पर पूर्व सैनिक एस.के. त्रिपाठी, एस.आर. जांगिड़, शंभू गिरी गोस्वामी, एल.एस. चंद्रावत, जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर, जिला सचिव भगवत सिंह सिसोदिया, दशरथसिंह चौहान, ईश्वरलाल पाटीदार, प्रहलाद राठौर, दिनेश पाटीदार, रूपचंद महावर, नरेंद्र पाटीदार, सज्जनसिंह सिसोदिया, नरेंद्र खटवड़, ऋषि राज गुर्जर, संजय शर्मा, दिलीप सिंह सिसोदिया, जितेंद्र माली, रघुनाथ सिंह, दशरथ सिंह राठौड़, कमल सिंह चंद्रावत, मदन धनगर, महावीर प्रसाद, महेश राठौर, जुगल किशोर विश्वकर्मा, मुकेश सोलंकी, बादर सिंह, राजेंद्र सिंह शक्तावत, राकेंद्रा सिंह सिसोदिया, दीपक सोनी, लाल चंद्र, कोमल प्रसाद माली, मंगल सिंह सिसोदिया, मनोज कुमार, रणजीत सिंह, प्रेम सोलंकी, महेंद्र जोशी, रामनारायण मालवीय, धर्मेंद्र सोनी, संतोष राव, महेश व्यास, बंशीलाल पाटीदार, राजेश नागर, विनोद मालवीय सहित ,करीब 55 पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

पीआईसी बैठक में 2 प्रकरणों को मिली मंजूरी

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर की प्रेसिडेंट इन कौंसिल (पीआईसी) की बैठक कल नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में नपा सभापतिगण सत्यनारायण भांभी, निलेश जैन, रमेश ग्वाला, श्रीमती दीपमाला रामेश्वर मकवाना, श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी, श्रीमती कौशल्या प्रहलाद बंधवार, श्रीमती शांति दिनेश फरक्या, नपा उपयंत्री महेश शर्मा, श्रीमती विधुरानी कौशल, नपा प्रभारी राजस्व अधिकारी मंगेशराव नवले, नपा कर्मचारीगण राजेन्द्र नीमा, अक्षय जैन भी उपस्थित थे। इस बैठक में नल कनेक्शनों के नामांतरण करने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके अंतर्गत अब मकानों में जहां नल कनेक्शन है उनका नामांतरण मकान के नामांतरण के साथ ही निर्धारित राशि जमा कराकर किया जा सकेगा। पूर्व में ऐसी व्यवस्था नहीं थी मकान का नामांतरण होने के बावजूद नल कनेक्शन पूर्व मकान स्वामी के नाम पर रहता था। जिसके कारण लोगों को परेशानी आती थी अब नई व्यवस्था के अंतर्गत मकानों के नामांतरण के साथ ही नल कनेक्शन का नामांतरण भी निर्धारित शुल्क जमा कराकर किया जा सकेगा। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के 199 प्रकरणों को जिनकी कागजी कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है। उन्हें शासन को मंजूरी के लिये भेजने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

श्रीमद भगवत गीता जीवन में समस्याओं के समाधान की राह दिखाती है-प्रभुजी

नीमच, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष नीमच में सोमवार को ईस्कान उज्जैन के अध्यक्ष श्री विजेन्द्र कृष्ण दास प्रभुजी ने तनाव प्रबंधन सत्र में अधिकारी कर्मचारियों को श्री भगवत गीता का उदाहरण देकर उन्हेंन जीवन में उतार कर, जीवन को आन्नदित बनाने के उपायों के बारे में बताया। उन्होने कहा, कि काम, क्रोध, सबसे बड़े शत्रु है। भगवत गीता हमारे जीवन की समस्याओं के समाधान की राह दिखाती है। उन्होने तनाव प्रबंधन के उपायो पर विस्तार से बताया। इस मौके पर श्री शंकरशन दास प्रभुजी उज्जेन, श्री रघुनाथ प्रसाद दास प्रभुजी, ईस्कॉन नीमच भी उपस्थित थे।

एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ एवं संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेड़े, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना ने मुख्य वक्ता श्री विजेन्द्रकृष्ण दास प्रभुजी एवं श्री रघुनाथ प्रसाद दास जी एवं शंकरशन दास प्रभुजी को पुष्पगुच्छ भेटकर स्वागत किया। इस तनाव प्रबंधन कार्यशाला में कलेक्टर स्थित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यशाला में प्रतिभागियों के प्रश्नों और जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

चार दिवसीय ईकेवायसी महाअभियान प्रारंभ

नीमच, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन द्वारा जिले में आज 27 से 30 मई 2025 तक विभिन्न प्रकार की ईकेवायसी करने के लिए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार विशेष महाअभियान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत समग्र, खाद्य, आधार, आर.ओ.आर., ईकेवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री का शतप्रतिशत कार्य किया जावेगा। जिले में प्रशासन द्वारा ईकेवायसी के लिए 14 से 17 मई तक चलाए गये प्रथम ईकेवायसी महाअभियान में कुल 33 हजार 877 हितग्राहियों की ईकेवायसी की गई थी। इनमें जावद उपखण्ड क्षेत्र में 11 हजार 166 ईकेवायसी, मनासा क्षेत्र में 11 हजर 886 एवं नीमच उपखण्ड क्षेत्र में 10 हजार 825 हितग्राहियों की ईकेवायसी की गई थी। प्रथम ईकेवायसी महाअभियान के बाद भी शेष रहे हितग्राहियों के ईकेवायसी करने के लिए जिले में 27 मई से 30 मई तक चार दिवसीय ईकेवायसी महाअभियान आयोजित किया जा रहा है।

सांसद सुधीर गुप्ता ने भरी उंची उड़ान

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर के नवलखा बिड स्थित एयर स्ट्रीप पर ग्लोबल कनेक्ट एविएशन प्राइवेट सर्विस लिमिटेड के पैरा मोटर फ्लाइंग ओर पैरा ग्लाइडिंग (विच) सेवा का आनंद लेने सांसद सुधीर गुप्ता पहुचे इस दौरान उन्होंने पैरा ग्लाइडिंग का भी आनंद लिया। सबसे खास बात यहां इस दौरान सांसद सुधीर गुप्ता पेंट शर्ट पहने दिखे फॉर्मल पेण्ट शर्ट में सांसद श्री गुप्ता एक अलग ही अंदाज में दिख रहे थे, उन्होंने पैराग्लाइडिंग के दौरान कि कुछ तस्वीरे अपने शोशल मीडिया अकॉउंट पर भी साझा की है। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, मंडल अध्यक्ष श्री विनोद डगवार, उद्योगपति श्री विजय सुराणा सहित कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

आकाशीय बिजली से संभावित दुर्घटनाओं से स्वयं को बचाये

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। आकाशीय बिजली (वज्रपात) से बचाव के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का पालन कर आकाशीय बिजली (वज्रपात) से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है।

आकाशीय बिजली (वज्रपात) से आउटडोर (घर के बाहर) बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है। यह मानसून के पहले जून-जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं। उंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। जारी निर्देश में कहा गया है कि धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। उंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, उंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रेक्टर जैसे वाहनों से दूर रहें। विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें। धातुयुक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं। सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें। आकाशीय बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें।

सुरक्षित संरचना, घर, कार्यस्थल पर सुरक्षात्मक अपनाये- बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें। इन्हें पावर प्लग से पृथक करें। बिजली का प्रवाह किसी भी दीवार, फर्श, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियो और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम तारों के माध्यम से हो सकता है। घर, कार्यालय में अर्थिंग सुनिश्चित करें। खुले हुए खिड़की, दरवाजे, धातु के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें। पानी के धातु पाइप से बिजली प्रवाहित हो सकती है।

✻✻ सफलता की कहानी ✻✻

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से महिलाओं को उचित खानपान में मिली काफी मदद

नीमच, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत शासन से मिल रही 6 हजार रूपये की मदद महिलाओं, माया धनगर, ममता मेघवाल, रीना पाटीदार आदि अनेक महिलाओं के उचित खानपान और स्वास्थ्य, देखभाल में काफी मददगार साबित हुई है।

नीमच जिले के ग्राम ढाबा की श्रीमती माया धनगर कहती है, कि प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना से मिली 6 हजार रूपये की राशि उन्हेंक गर्भावस्था और प्रसव के बाद अपने स्वयं की स्वास्थ्य देखभाल एवं उचित खानपान में काफी मददगार साबित हुई है। माया ने अपने गांव की आंगनवाड़ी केंद्र पर प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पंजीयन करवाया। इससे उसे गर्भावस्था एवं प्रसव के बाद बहुत मदद मिली है। नीमच सिटी वार्ड नम्बर-2 निवासी श्रीमती ममता मेघवाल की भी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। उसके पति मकानों में पुताई का काम करते है। वह चिंतित थी, कि बच्चें के जन्म के बाद उसका व बच्चें का खर्च कैसे पूरा कर पाएगी। ममता ने प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना में अपना पंजीयन करवाया और 20 अक्टूबर 2022 को बालिका को जन्म दिया। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के तहत ममता को एक मुश्त 6 हजार रूपये की राशि मिली। इस राशि से ममता ने आवश्यक दवाईयां, पोषण आहार तथा स्वयं व बच्चें के लिये खर्च, आवश्यक सामग्री खरीदी। ममता व उसकी बेटी दोनों स्वस्थ्य है। ममता का कहना है, कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गरीब व जरूरतमंद महिलाओं के लिए वरदान है। ममता इस योजना के तहत मिली मदद के लिए भारत सरकार व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त कर रही है। नीमच जिले के जीरन के वार्ड नम्बर-3 निवासी श्रीमती रीना पाटीदार को भी प्रधामंत्री मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती होने पर क्रमश: 3 हजार व 2 हजार, दो किश्तों में कुल पांच हजार की आर्थिक सहायता मिली है। इससे उसे काफी मदद मिली है। रीना इस योजना से मिले लाभ के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त कर रही है।

नागर ब्राह्मण समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह एवं साधारण सभा सम्पन्न

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। नागर ब्राह्मण समाज मंदसौर-नीमच एवं प्रतापगढ़ जिलों में निवासरत सामाजिक बन्धुओं की सपरिवार उपस्थिति में श्री हाटकेश्वर नागर ब्राह्मण समाज धर्मशाला एवं छात्रावास लोक न्यचास मंदसौर एवं श्री हाटकेश्वर नागर ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में समाज अध्यक्ष बाबूलाल नागर, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश नागर, पूर्व अध्यक्ष रमेशचन्द्र नागर, नीमच जिले के समाजसेवी पंकज नागर एवं महिला परिषद अध्यक्षा श्रीमती भगवतीदेवी नागर की गरिमामयी उपस्थिति एवं मुख्य आतिथ्य में इस वर्ष का स्व. श्री नटवरलाल नागर एवं श्रीमती स्व. भगवतीदेवी नागर स्मृति प्रतिभा पुरस्कार एवं श्री पंकज नागर 1100 रू. नगद के दो द्वारा प्रदत्त पुरस्कार कार्यक्रम के साथ ही न्यास की साधारण सभा सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान हाटकेश्वर की पूजन, महाआरती, प्रसाद वितरण से हुआ। मंचासीन अतिथियों का स्वागत संस्था सदस्यों द्वारा किया गया एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा स्व. श्री नटवरलाल नागर एवं श्रीमती स्व. भगवतीदेवी नागर के चित्र पर माल्यार्पण किया। समाज सचिव सतीश नागर द्वारा कार्यक्रम एवं साधारण सभा की जानकारी दी जाकर समाज/न्यास से जुड़े मुद्दे सदन में रखे गये। जिन पर चर्चा की गई। कोषाध्यक्ष धीरेन्द्र नागर द्वारा संस्था के आय-व्यय की जानकारी दी गई। सदन में रखे प्रस्तावों को ध्वनिमत से स्वीकृति दी। इस अवसर पर महिला और बच्चों की प्रतियोगिता आयोजित की गई। न्यास के ट्रस्टी के एक रिक्त पद पर श्री शरद नागर जनकपुर /दहोली का सर्वानुमति से मनोनयन किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त गोविन्द प्रसाद नागर, उत्कृष्ट कार्य केलिये आकाश नागर, नवीन नियुक्ति शासकीय विभाग में होने पर तनय नागर एवं प्रबल नागर, शामगढ़ महिला शाखा अध्यक्षा श्रीमती अरूणा नागर एवं वरिष्ठें का सम्मान पुष्पहार पहनाकर किया।

इस वर्ष कक्षा 12वीं में प्रथम श्रेणी सर्वोच्च अंक में प्रत्युश नागर खड़ावदा, रीया नागर मंदसौर, नियती व्यास प्रतापगढ़, कक्षा 10वीं में प्रथम श्रेणी में सर्वोच्च अंक में जयश्री नागर आगर, लक्षिता नागर दड़ौली, भूमिका नागर नीमच, कृष नागर, कक्षा 8वीं में प्रथम श्रेणी योगिता नागर जनकपुर, वैभव नागर आगर, केशव मेहता मंदसौर, युवराज नागर दड़ौली, दिव्यांशी मेहता दड़ौली रिशिता नागर बनी, कक्षा 5वीं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण सोनी नागर खड़ावदा, महिलाओं की प्रतियोगिता में प्रथम नम्रता नागर, द्वितीय सरोज नागर, बच्चों की प्रतियोगिता में प्रथम केशव मेहता, द्वितीय कृषा नागर, प्रथम रविष्का नागर, द्वितीय रक्षित नागर, तृतीय टिशा नागर को पुरस्कृत किया गया। श्री सुनिल मेहता द्वारा कविता प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदसौर, प्रतापगढ़, नीमच जिले के सभी सामाजिक बन्धुओं का पूर्ण सहयोग एवं उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन श्री संजय नागर, योगेन्द्र नागर, दीपिका मेहता, मुक्ति मेहता ने किया। आभार उपाध्यक्ष ओमप्रकाश नागर ने माना। कार्यक्रम की समाप्ति सहभोज के साथ हुई। ये जानकारी सचिव सतीश नागर ने दी।

निर्मला देवी ने श्मशान घाट में 16 वर्षों से सेवा देकर महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में मिसाल कायम की

महिला ने साहस, समर्पण व प्रेरणा की मिसाल पेश की, मुक्तिधाम में हजारों अंतिम संस्कार करवा चुकी है

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले की रहने वाली निर्मला देवी ने महिला के साहस, समर्पण व प्रेरणा की मिसाल पेश की है। निर्मला देवी मुक्तिधाम में अब तक हजारों अंतिम संस्कार करवा चुकी है। नारी तू नारायणी, शास्त्रों में उल्लिखित इन शब्दों को मंदसौर शहर की महिला अपने साहस, समर्पण व प्रेरणा से चरितार्थ कर रही है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में हम आपको ऐसी महिला के बारे में बताने जा रहे है।जिन्होंने ओरो के लिए भी एक मिसाल कायम की है। निर्मला देवी नाम की महिला जो निस्वार्थ भाव से करीब 15 साल से अधिक मुक्तिधाम में अपनी सेवाए दे रही है। एक और कई जगह महिलाए अंतिम संस्कार में जाती तक नहीं है। वही शहर की निर्मला देवी करीब 15 सालों से अधिक सालों से मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार करवा रही है। अंतिम क्रिया के लिए लकड़ी जमाना, राख समेटना सहित अन्य कार्य इनका नियमित काम है।

निर्मला देवी मुक्तिधाम में हजारों अंतिम संस्कार करवा चुकी है, कोरोना काल के समय भी निर्मला देवी अपनी जान की परवाह न करते हुए, बड़ी संख्या में शव को जलने की व्यवस्था को देखा। मंदसौर के गौरव दिवस पर मंदसौर के गौरव से सम्मानित किया गया है। इनके दो बेटों में से एक की कोरोना में व दूसरे की करीब 2 साल पहले मृत्यु हो चुकी है। ये श्मशान घाट में सेवाए दे रही है। पूर्व में कार्यरत व्यक्ति के साथ वे यहा काम करने लगी और ऐसे करते करते यही कार्यरत रही। 15-16 सालों से समाजसेवा कर रही है। निर्मला देवी मंदसौर के मुक्ति धाम में कई समय से अपनी सेवाए निस्वार्थ भाव से दे रही है और इनके इस सेवा भाव के लिए और इनके काम के प्रति निष्ठा एवं सेवाभाव हेतु इन्हें मंदसौर के गौरव दिवस पर सम्मानित भी किया गया। 8 मार्च को महिला दिवस के दिवस के अवसर पर भी सम्मानित किया जावेगा। विभिन्न व्यवसायों में विभिन्न क्षेत्र में महिलाओ द्वारा विभिन प्रकार से योगदान किया जाता है परंतु निर्मला देवी के योगदान और सेवा सबसे अलग है। मुक्तिधाम जैसी जगह पर इन्होंने निस्वार्थ भावनाओं से विगत कई वर्षों र्से ये कार्य कर रही है। और समाज के प्रति अपना योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण तरीके से दे रही है। इनसे प्रेरणा लेकर समाज की अन्य महिलाएं भी सशक्त हो रही है।

फर्जी कंपनी स्थापित कर आम जनता के पैसे निवेश कराकर रूपया हड़प कर कंपनी बंद कर भाग जाने वाले...

आरोपी को 10 वर्ष का कारावास एवं अर्थदण्ड

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। न्यायालय प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मंदसौर (श्री आसिफ अब्दुल्लाह साहब) द्वारा एक महत्वपूर्ण मामले में निर्णय देते हुए फर्जी कंपनी स्थापित कर रूपया हडप करने वालों को 10 वर्ष के कारावास एवं जुर्माने से दण्डित किया। अपर लोक अभियोजक भगवतीलाल शर्मा द्वारा बताया गया कि थाना शहर कोतवाली मंदसौर तत्कालीन सहायक उप निरीक्षक पी.एस. हटिला को जनसुनवाई शिकायत व सीएम हेल्पलाईन शिकायत के पत्र द्वारा जांच हेतु प्राप्त होने पर आवेदक भीमसिंह निवासी पानपुर थाना नई आबादी मंदसौर व जगदीशचंद्र नग्गाजी निवासी परासली घाटा थाना शामगढ ने बताया की दिनांक 20.11.2012 को रघुवीरसिंह आयु-32 वर्ष निवासी ग्राम जमुनिया शंकर जिला रतलाम ने मंदसौर दशपुर बगीचे के पीछे पीतांम्बरा फार्मिंग सॉल्युशन कंपनी लिमिटेड का ऑफिस खोला था और एक मिटिंग रखी थी जिसमें कमलसिंह गौड, पुरनसिंह, जवाहरलाल, वीरेन्द राठौर, अर्जुनसिंह, अनिल, चौनसिंह, कमल, पप्पुसिंह, रघुवीरसिंह, जगदीशचंद्र, अर्जुनसिंह, बाबूलाल, बलवन्तसिंह, सुरेश, एकत्रित हुए थे। उक्त मीटिंग में कंपनी सीएमडी रघुवीरसिंह राजपूत व अन्य डायरेक्टरो ने कंपनी का पेम्पलेट बुक दिया था। और बताया था कि कंपनी चेन सिस्टम से नॉन बैंकिंग बिजनेस करती है जिसका मुख्यालय फ्रिंगज शहीद पार्क के सामने, सनशाइन टावर उज्जैन होना बताया था। मीटिंग में बताया गया था कि उनकी कंपनी आर.डी., एफ.डी. पर 5 प्रतिशत कमीशन देगा। तथा किसी भी निवेशक की मृत्यु होने पर सहायता राशि जमा राशि की दुगना दी जायेगी। मीटिंग में यह भी बताया गया था कि कंपनी आर.बी.आई ने रजिस्टर्ड है, जिसका प्रतिवर्ष ऑडिट होता है, कंपनी में जुड़ने व खाता खुलवाने का काम दिया गया था। आर.डी., एफ.डी. के रूप में जो रूपये जमा करवाये जाते थे उसके बदले कंपनी की छपी हुई पालिसी प्रमाणपत्र दिया जाता था जिस पर जमा की गई राशि, मेच्योरिटी रकम व दिनांक अंकित होती थी। कंपनी पर विश्वास कर लगभग 100 लोगों ने अपने व परिचितों के खाते खुलवाकर लगभग 30,00,000/- तीस लाख रूपये निवेश किये थे जिसकी पॉलिसीयां दी गई थी पॉलिसीयो की मैच्योरिटी होने पर पॉलिसी धारक मंदसौर ऑफिस पर गये तो वहां ताला लगा मिला। कंपनी के हेड ऑफिस और कॉर्पोरेट बांसवाड़ा राजस्थान में संपर्क किये जाने पर भी कंपनी के अधिकारी नहीं मिले। कंपनी के सी.एम.डी. रघुवीरसिंह व अन्य ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। उक्त शिकायत पर से थाना सिटी कोतवाली मंदसौर में अपराध क्रमांक 344/2018 धारा 420,409 भा.द.स. धारा 4 व 6 म.प्र. निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम की प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध कर आवेदन अनुसंधान की अनुमति दिये जाने हेतु पुलिस अधीक्षक को प्रेषित किया गया जिस पर से पुलिस अधीक्षक के आदेश द्वारा अनुसंधान की अनुमति प्रदान की गई। तत्पश्चात् उक्त अपराध मे विवेचना प्रारंभ की गई।

विवेचना के दौरान साक्षीगण भीमसिंह, जगदीशचंद्र एवं कमलसिंह के कथन लेखबद्ध किये गये है। कमलसिंह गौड़ निवासी पानपुर से पीताम्बरा फार्मिंग सॉल्यूशन लिमिटेड आर.बी.एक्स लेण्ड डेवलपर कंपनी लिमिटेड, आर.बी.एक्स. एग्रो फार्मा लिमिटेड तथा मातृ भूमि प्राईवेट लिमिटेड की 22 पॉलिसिया, 7 डि.एस. व एक्सिस बैंक के तीन चेक जब्त किये गये। कंपनी के पेम्पलेट एवं पेम्पलेट बुक प्राप्त किये गये है। जगदीशचंद्र निवासी परासली से 5 पॉलिसी, 5 डिएस एवं तीन चेक जप्त किये गये। विवेचना के अनुक्रम में एक्सिस बैंक के खाते के स्टेटमेंट प्राप्त किये गये। अभियुक्त रघुवीरसिंह से पूछताछ कर उसका मेमोरण्डम लेखबद्ध किया गया। कंपनी के उज्जैन स्थित ऑफिस जिसमें ताला लगा हुआ था। तथा रतलाम व मंदसौर स्थित ऑफिस के संबंध में तस्दीक पंचनामा बनाया गया। पेम्पलेट बुक जप्त की गई। अभियुक्त दशरथसिंह को दिनांक 25.08.2022 को गिरफ्तार कर मेमोरेण्डम लेखबद्ध किया गया। आर.ओ.सी वेबसाइट प्रीताम्बरा फार्मिंग सॉल्यूशन लिमिटेड, आर.डी.एक्स लेण्ड डेवलपर इण्डिया लिमिटेड, आर.बी.एक्स, एग्रो फार्मा कंपनी लिमिटेड और मातृभूमि एग्रीकल्चर फार्मिंग प्रोडक्शन कंपनी लिमिटेड रजिस्ट्रेशन व डायरेक्टर की जानकारी का प्रिंटआउट प्राप्त किया गया। विवेचना उपरान्त फरार अभियुक्त नारायणलाल शर्मा के विरुद्ध अनुसंधान जारी रखते हुए अभियुक्तगण रघुवीरसिंह एवं दशथसिंह के विरुद्ध अभियोगपत्र प्रस्तुत किया गया।

उक्त मामले में अभियोजन पक्ष की और से माननीय न्यायालय मे 19 साक्षियों के कथन कराये गये है तथा संपूर्ण मामला संदेह से परे जाकर अभियोजन पक्ष की और से प्रमाणित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी रघुवीरसिह पिता मोडसिंह निवासी ग्राम जमुनिया शंकर जिला रतलाम को 10 वर्ष के कारावास एवं 55 निवेश धारकों जिसमें प्रत्येक के लिये 60-60 हजार रूपये एवं अन्य 1,10,000/- रूपये इस प्रकार कुल 34,10,000/- के जुर्माने से दण्डित किया गया। उक्त मामले में अभियोजन की और से सफल पैरवी लोक अभियोजक तेजपाल सिंह शक्तावत अपर लोक अभियोजक भगवतीलाल शर्मा व भगवानसिंह के द्वारा की गई।

चूना लगाने का नया तरीका...

ई-चालान और शादी की पत्रिका की एपीके फाइल से कर रहे ठगी

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। सायबर ठग हो या सोशल मीडिया के जरिये ठगी करने वाले बदमाश हर दिन नया-नया तरीका अपनाकर लोगों को चूना लगा रहे हैं। ठगों ने अब नया तरीका निकाल लिया है। पुलिस विभाग में शुरू हुई ईचालान की व्यवस्था हो या फिर इस समय वाट्सएप पर ही शादी की पत्रिका भेजने की आमजन की व्यवस्था। इनका भी फायदा उठाते हुए लोगों को शिकार बनाने में उपयोग करने लगे हैं।

जी हां हाल ही में ऐसे मामले सामने आए जब ठगों ने वाट्सएप पर ई चालान या शादी की पत्रिका के साथ एपीके फाइल भेजकर कई लोगों को ठगी का शिकार बना दिया है। सायबर एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी एपीके फाइलों से सावधान रहने की जरुरत है जो किसी अनजाने नंबर से आपके वाट्सएप पर आती हो। कोई भी अनजाना व्यक्ति आपको एपीके फाइल भेजे तो उसे न तो टच करे और न ही डाउनलोड। इसकी बड़ी वजह है कि जो मामले सामने आए हैं उसके अनुसार एपीके फाइल को डाउनलोड करते ही आपका मोबाइल हैक हो सकता है और आपके बैंक खाते से राशि गायब हो जाएगी।

अनजाने नंबर से सावधान रहे...

सायबर टीम के अधिकारियों के अनुसार आजकल सोशल मीडिया के जरिये लोग ठगी का नया तरीका अपना रहे हैं। इसमें सावधान रहने की जरुरत है। किसी भी अनजानी नंबर से कोई एपीके फाइल या कोई लिंक आपके मोबाइल के वाट्सएप पर आती है तो उसे टच नहीं करें या न ही डाउनलोड करें। यह सायबर फ्रॉड का नया तरीका है। हाल ही में ई चालान और शादी की पत्रिका के मैसेज के साथ भेजी गई एपीके फाइल से लोगों को नुकसान उठाना पड़ा है। इसलिए परिचित के नंबर से आने वाले ऐसे मैसेज को भी देखें। एपीके फाइल तो खोले ही नहीं, क्योंकि कई बार नंबर का क्लोन करके भी ठग एपीके फाइल भेज देते हैं।

इस तरह से हो रहे शिकार...

एक व्यक्ति के मोबाइल फोन पर उसकी चार पहिया वाहन का ई चालान का मैसेज आया। इसमें चालान जारी करने की तारीख, ट्रेफिक सिग्नल तोड़ने का उल्लेख किया गया। साथ ही लिखा गया कि आपने चौराहे से गुजरते समय लाल बत्ती का उल्लंघन किया है। यह यातायात नियमों का उल्लंघन है और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालता है। जुर्माने की राशि 500 रुपए। अधिक जानकारी के लिए ई चालान एप डाउनलोड करें। इसके साथ ही उन्हें एपीके फाइल भेजी। युवक ने समझा कहीं कार ले जाते समय ऐसा हो गया होगा तो उन्होंने एपीके फाइल डाउनलोड की तो उनका मोबाइल फोन हैक हो गया और खाते से 50 हजार से ज्यादा राशि निकाल ली गई।

इसी तरह एक संभ्रांत परिवार को अनजाने नंबर से शादी का कार्ड वाट्सएप पर भेजा गया। इसमें लिखा कि समयाभाव के कारण सामने उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं। हम सोशल मीडिया के जरिये वाट्सएप से शादी की पत्रिका भेज रहे हैं। इसे व्यक्तिगत उपस्थिति समझे और शादी में जरुर आएं। ऐसा आग्रह भी संदेश में किया। साथ ही उन्हें शादी का कार्ड नाम बनाकर एपीके फाइल भेजी। चूंकि नंबर अनजाना था तो व्यक्ति को जिज्ञासा हुई और उन्हें लगा कि किसी परिचित ने नए नंबर से कोई निमंत्रण पत्रिका भेजी है तो उन्होंने एपीके फाइल खोली तो उनका मोबाइल फोन हैक हो गया और उन्हें 22500 रुपए का चूना लग गया।

भाजपा ने 90 प्रतिशत बूथों पर सुनी प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के सभी पोलिंग बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम का 122 वें एपिसोड बूथ पर रहने वाले वरिष्ठजनों एवं बूथ कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थित में सुना गया। भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर में भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में जिले के अधिकांश बूथों पर जिला भाजपा द्वारा तय किए गए भाजपा के राष्ट्रीय, प्रादेशिक और जिला स्तर के जन प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रत्येक बूथ पर मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को सुना गया।

मन की बात के इस कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित मंदसौर विधानसभा के रेवास देवड़ा के बूथ क्रमांक 3 पर पहुंचे और भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह राणा, भाजपा मंडल अध्यक्ष नेपाल सिंह सिसोदिया, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष जीवन शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठजनों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को श्रवण किया और संगठन एप्प पर कार्यक्रम को अपलोड किया। इसी प्रकार ने विधायक चंदर सिंह सिसोदिया ने बूथ क्रमांक 253 कोटडा पर बूथ के पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता गणों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को श्रवण किया और संगठन एप्प पर कार्यक्रम को अपलोड किया। इसी प्रकार भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने मंदसौर दक्षिण मंडल के बूथ क्रमांक 112 पर मंडल अध्यक्ष विनोद डगवार के साथ बूथ अध्यक्ष राजकुमार उपाध्याय के निवास पर कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को श्रवण किया और संगठन एप्प पर कार्यक्रम को अपलोड किया। इसी प्रकार भाजपा पूर्व विधायक देवीलाल धाकड ने भानपुरा मंडल के होटल सिदार्थ बूथ क्रमांक 72 पर बूथ पर निवासरत पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को श्रवण किया और संगठन एप्प पर कार्यक्रम को अपलोड किया। इसी प्रकार पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने मंदसौर विधानसभा के बूथ क्रमांक 276 नगरी पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि घनश्याम बग्गड सहित बूथ पर निवासरत पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को श्रवण किया और संगठन एप्प पर कार्यक्रम को अपलोड किया। इसी प्रकार भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत ने मंदसौर के बूथ क्रमांक 141 खानपुरा पर क्षेत्रीय पार्षद बब्बू पमनानी एंव बूथ पर निवासरत पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को श्रवण किया और संगठन एप्प पर कार्यक्रम को अपलोड किया। इसी प्रकार नगरपालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने वार्ड क्रमांक 07 के बूथ पर मंडल मंत्री आरती दवे के निवास पर साथी पदाधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को श्रवण किया और संगठन एप्प पर कार्यक्रम को अपलोड किया। इसी प्रकार जिला पदाधिकारीगण, मोर्चा पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष गण, पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण निर्धारित बूथ पर पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को श्रवण किया और संगठन एप्प पर कार्यक्रम को अपलोड किया। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

बालिका दस्तयाब, परिजनों के सुपुर्द किया

पिपलियामंडी, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत एक अपहृत नाबालिग बालिका को पुलिस ने उदयपुर के फतेहनगर से दस्तयाब किया। जानकारी के अनुसार 19 मई को पिपलियामंडी थाने पर एक पिता ने नाबालिग बेटी को अज्ञात बदमाश द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का प्रकरण दर्ज कराया था। चौकी प्रभारी धर्मेश यादव ने बताया विवेचना के दौरान बालिका को उदयपुर के फतेहनगर से दस्तयाब किया। जिसे बाद में परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

शनिदेव जन्मोत्सव व भंडारा आज

पिपलियामंडी, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। जनता कॉलोनी स्थित शनिदेव मंदिर पर 27 मई को श्री शनिदेव जन्मोत्सव व भण्डारा आयोजित होगी। पंडित आनंद जोशी ने बताया प्रात: 6 बजे अभिषेक, 7 बजे श्री शनिदेव का श्रृंगार, 7.30 बजे आरती, 8 बजे हवन, दोपहर सवा 12 बजे से भंडारा एवं शाम 7 बजे महाआरती होगी।

उप-राष्ट्रपति धनखड़ बोले-मनमोहक हैं सीएम डॉ. यादव

मध्यप्रदेश देश में बड़ी छलांग लगाएगा

नरसिंहपुर/भोपाल, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। आज का कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। मैं अभिभूत हूं कि मेरे सामने बैठे युवा, नारी शक्ति और सभी लोग अन्नदाता हैं, देश के भाग्यविधाता हैं। किसान की जितनी पूजा की जाए, उतनी कम है। किसान भारत की रीढ़ की हड्डी है। किसान समरसता का प्रतीक है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मनमोहक हैं, कार्यशील हैं। वे हर पल गांव और किसान की चिंता करते हैं। इनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश सबसे बड़ी छलांग लगाएगा। ये मैं अपने सामने देख रहा हूं। क्योंकि, आज की कृषि को उद्योग से जोड़ने की जो पहल है वो बहुत बड़ी सोच का परिणाम है।' यह बात उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 26 मई को नरसिंहपुर जिले में कही। वे यहां आयोजित कृषि उद्योग समागम-2025 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद थे। इस मौके पर उप-राष्ट्रपति धनखड़ ने 116 करोड़ की लागत के 86 विकासकार्यों का भूमि-पूजन भी किया। उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दीप प्रज्वलन और कन्या पूजन कर 'कृषि उद्योग समागम-2025' की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि मेरा इस क्षेत्र से लगाव बहुत पुराना है। इसकी शुरुआत 2004 के आसपास हुई। मेरे मामा की पोती का यहां ससुराल है। मुझे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की वजह से कृषि उद्योग समागम जैसा कार्यक्रम देखने को मिला। देश का हर राज्य इसका अनुकरण करेगा। किसानों से कृषि का बहुत लगाव होना चाहिए। इस पहल की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

मिलेगी। आज पूरा देश राष्ट्र भावना से ओतप्रोत है। पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। ऑपरेशन सिंदूर का लोहा दुनिया ने माना है।

किसानों का जीवन बेहतर कर रहे सीएम डॉ. यादव–उप-राष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि विकसित भारत का रास्ता किसान के खेत से जाता है, विकसित भारत का रास्ता गांव से निकलता है, विकसित भारत की कुंजी किसान के पास है। उस किसान को डॉ. मोहन यादव सृजित कर रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा उछाल आएगा। पूरे देश में विकसित भारत के लिए महायज्ञ चल रहा है। यह महायज्ञ हर किसी की आहुती मांगता है। सबसे निर्णायक आहुती किसान की है। मेरे किसान भाई पूरी तरह सजग हैं। यह लक्ष्य हम हासिल करके रहेंगे। मैं किसान भाइयों से अपील करूंगा कि आप अपने आपको उत्पाद तक सीमित मत रखिए, आपको इसकी मार्केटिंग से जुड़ना चाहिए। किसान को व्यापार-उद्योग में आना चाहिए, तभी उसकी तरक्की होगी। मैं मानकर चलता हूं कि मध्यप्रदेश में किसान-उद्यमी ज्यादा से ज्यादा होंगे। किसानों की राष्ट्रभक्ति और मेहनत से हम विकसित राष्ट्र का लक्ष्य 2047 से पहले ही हासिल कर लेंगे।

बोर्ड कक्षा-10 और 12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिये विशेष कक्षाओं का संचालन

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। लोक शिक्षण संचालनालय ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल की कक्षा-10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिये विशेष कक्षाओं के संचालन का निर्णय लिया है। इसके लिये संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और समस्त प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये गये हैं। स्कूल शिक्षा विभाग का प्रयास है कि द्वितीय बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र अधिक से अधिक संख्या में उत्तीर्ण होकर अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकें।प्रदेश में कक्षा-10वीं एवं 12वीं में अध्ययनरत उत्तीर्ण विद्यार्थियों की द्वितीय बोर्ड परीक्षाएँ 17 जून से प्रारंभ होंगी। इस परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के साथ-साथ श्रेणी सुधार के लिये विद्यार्थियों द्वारा आवेदन किये जा रहे हैं। ग्रीष्म अवकाश के दौरान विद्यालय प्राचार्य राज्य स्तर से उपलब्ध करायी गयी अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों के व्हाट्सअप ग्रुप पर साझा करेंगे। इसी के साथ प्राचार्य विद्यार्थियों की प्रगति की समीक्षा कर उनके कठिन बिन्दुओं के संबंध में विषय शिक्षकों के साथ साझा कर विद्यालय स्तर पर कार्य-योजना बनायेंगे।वद्यार्थियों को गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी और संस्कृत विषय की अध्ययन सामग्री प्रति सप्ताह जून माह में 2, 6 और 14 जून को विमर्श पोर्टल पर प्रसारित की जायेगी। शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों से कहा गया है कि वे विषय शिक्षकों को अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के सम्पर्क में रहने को कहें। इसी के साथ उनकी शैक्षणिक प्रगति का निरंतर मूल्यांकन करें।

नोडल अधिकारी बनायें–जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक को विशेष कक्षाओं के विधिवत संचालन के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाये। द्वितीय परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों में परीक्षा के तनाव को कम करने के लिये विद्यार्थियों से सतत चर्चा करने के लिये कहा गया है। विद्यार्थियों को विमर्श पोर्टल पर उपलब्ध टिप्स एण्ड ट्रिक्स के वीडियो दिखाये जायें। माध्यमिक शिक्षा मण्डल बोर्ड में हेल्पलाइन नम्बर 18002330175 बनाया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी से द्वितीय बोर्ड परीक्षा की उनके जिले में लगायी जा रही कक्षाओं की मॉनीटरिंग करने के लिये भी कहा गया है।

✻ उठावना ✻

गोपाल, राजेंद्र सोनी के बड़े भाई साहब, अशोक, विजय, कृष्णा, ओम प्रकाश के काकाजी एवं जितेन्द्र, पंकज, हेमंत, गोविंद, रवि के बड़े पापा व

लक्की, पीयूष, केशव, दक्ष, वंश के दादाजी व सतीश, संजय (कालू) सोनी के पिताजी श्री सत्यनारायण जी सोनी का निधन 25 मई 2025 रविवार को हो गया है। उठावना 27 मई 2025, मंगलवार को प्रात: 11 बजे नंदू को नोहरा(सुनारों की धर्मशाला) शुक्ला चौक मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

सतीश सोनी, संजय सोनी (कालू)

अभियान चला कर सीमांकन के मामलों का त्वरित निराकरण करें-अपर कलेक्टर

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सीमांकन के जितने भी लंबित प्रकरण है। उनका तुरंत निराकरण करें। इसके लिए आगामी तीन दिवस में विशेष अभियान चलाएं तथा जितने भी लंबित सीमांकन है, उनका सीमांकन करके कार्य पूर्ण करे और शिकायतों का निराकरण करें। सीमांकन के दौरान अगर नक्शे में त्रुटि है तो, तुरंत त्रुटि सुधार करें। सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत जितने भी लंबित शिकायत हैं, उन शिकायतों का भी अभियान मोड में कार्य करके शिकायतों का निराकरण करें। सभी विभाग प्रमुख विभागों में स्थानांतरण से संबंधित जितने भी आवेदन है, उन सभी आवेदनों का प्रस्ताव बनाकर तुरंत प्रेषित करें। जिला आपूर्ति अधिकारी जितने भी समग्र ईकेवाईसी से बची है वह 31 जुलाई तक पूर्ण करें। जिले में 9 लाख 98 हजार 486 में से 9 लाख 573 हितग्राहियों की ई केवाईसी हो चुकी है, शेष 97 हजार 913 हितग्राहियों की ई केवाईसी पूर्ण करे। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन सहित सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

छाजुखेड़ा में विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री सुधीर सिंह निगवाल के निर्देशन में 26 मई 2025 को ग्राम पंचायत छाजुखेड़ा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती अपर्णा लोधी ने ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय सबका अधिकार है, और उसे प्राप्त करने के लिए आर्थिक या सामाजिक स्थिति बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने नि:शुल्क विधिक सहायता योजना, मध्यप्रदेश पीड़ित प्रतिकर योजना तथा महिलाओं के अधिकारों से संबंधित कानूनी प्रावधानों की सरल और प्रभावशाली तरीके से जानकारी दी। इसके साथ ही, उन्होंने छअडङअ की टोल-फ्री हेल्पलाइन 15100 के माध्यम से तुरंत विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी विस्तार से समझाई, जिससे आम नागरिक अपने अधिकारों की सुरक्षा के लिए जागरूक हो सकें। अधिवक्ता डॉली मक्कड़ ने उपस्थित जनसमूह को दैनिक जीवन से जुड़े कानूनी पहलुओं पर उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि कैसे छोटी-छोटी कानूनी जागरूकता से बड़े विवादों से बचा जा सकता है। विदिशा सोशल वेलफेयर सोसाइटी की ओर से सामाजिक कार्यकर्ता मोनिका वरुण ने बाल विवाह, बाल श्रम एवं बाल यौन शोषण जैसे संवेदनशील विषयों पर जानकारी देते हुए बताया कि ये केवल सामाजिक बुराइयां नहीं, बल्कि गंभीर कानूनी अपराध हैं। उन्होंने महिलाओं को ऐसे मामलों में सामने आकर न्याय प्रणाली से सहयोग लेने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत छाजुखेड़ा की आंगनवाडी कार्यकर्ता, बड़ी संख्या में महिला ग्रामीणजन शामिल रहीं। उपस्थित महिलाओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रकाशित विधिक योजनाओं से संबंधित पंपलेटस का भी वितरण किया गया, जिससे वे घर जाकर भी जानकारी को पढ़ सकें और दूसरों को जागरूक कर सकें। शिविर के आयोजन में पैरा लीगल वॉलेंटियर रामकुवर, दुर्गेश चंदेल एवं विधि छात्र सपनेश माली की भूमिका सराहनीय रही, जिन्होंने जनसमुदाय को बड़ी संख्या में सहभागी बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पुर्व योगाभ्यास सत्र सम्पन्न

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। आयुष विभागजिला अधिकारीडॉ कमलेश धनोतियाद्वारा बताया गया की मन्दसौर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों एवं प्रचार प्रसार के संबंध मेंआयुष विभाग औरदशपुर योग संस्थान केसंयुक्त तत्वाधान मेमंदसौर के नूतन स्टेडियम परिसर मेंसुबह 06.30 से 08 बजे तक योगाभ्यास सत्र आयोजितकिया गया।योग गुरु श्री सुरेंद्र जैन द्वारा अभ्यास सत्र में करीब 100 से अधिक योग साधकों को योगाभ्यास कराया गया।

✻ नाम परिवर्तन ✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सुंदरलाल पिता कनीराम ने अपना नाम परिवर्तन कर सुंदरलाल गुर्जर पिता कनी राम कर लिया है। भविष्य में मुझे अपने नए नाम सुंदरलाल गुर्जर पिता कनी राम के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

पता-मकान नं. 103, वार्ड नं. 03, ग्राम चिरमोलिया, पोस्ट-अफजलपुर, रठाना, मंदसौर (म.प्र.) 458990

✻✻ नाम परिवर्तन ✻✻

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मैं रोहित शर्मा के पिता का नाम ड्रायविंग लायसेंस में गलत है। मेरी 10 वीं की अंकसूची में मेरा और मेरे पिता का सही नाम रोहित शर्मा पिता मदन लाल है। अत: आईन्दा आगे से मुझे मेरे सही नाम रोहित शर्मा पिता मदन लाल के नाम से जाना एवं पहचाना जावें।

✻✻✻✻ भवदीय ✻✻✻✻

रोहित शर्मा पिता मदन लाल

आर्ट ऑफ लिविंग का हैप्पीनेस कोर्स सम्पन्न

मंदसौर, 26 मई गुरु एक्सप्रेस। द आर्ट ऑफ़ लिविंग संस्था व्यक्ति विकास केंद्र का छह दिवसीय हैप्पीनेस कोर्स का समापन रविवार को हुआ। इस हैप्पीनेस कोर्स के माध्यम से तनाव मुक्त मन ,हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान साथ ही कोई भी भय या फिर डिप्रेशन अगर हो तो वह सुदर्शन क्रिया के माध्यम से पूर्णत: बाहर निकल जाता है एवं व्यक्ति अपने अस्तित्व के स्तर को पहचान सकता है। यह कोर्स आर्ट ऑफ लिविंग के टीचर कमलेश कोठारी ने संपन्न कराया। इस कोर्स में वालंटियर के रूप में श्याम भावसार, अंकित सोनी, यतींद्र जोशी, सूरज भाटी, सोनाली गुर्जर एवं आर्ट ऑफ लिविंग के वॉलंटर मौजूद रहे। यह जानकारी मीडिया कोऑर्डिनेटर अंकित सोनी ने दी।

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर

मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 26.05.2025

✻✻✻जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री टीकमचंद पिता हेमराजजी रजवानिया निवासी कालाखेत, मंदसौर के स्वामित्व एवं आधिपत्य का मकान नंबर-7, प्लांट नं. 64 का भाग, ब्लॉक-बी, गौतम नगर, कालाखेत, रोड नंबर 3, वार्ड नं. 18, मंदसौर तहसील व जिला मंदसौर में स्थित है, जिसकी चर्तुसीमा निम्नवत है-पूर्व में-रोड, पश्चिम में रोड, उत्तर में -दरगाह तथा दक्षिण में -रोड, पैमाईश पूर्व से पश्चिम 40 फीट, उत्तर से दक्षिण 20 फीट, कुल क्षेत्रफल 800 वर्गफीट है।

उक्त मकान श्री टीकमचंद को विधिवत वसीयत नामा दिनांक 31.01.2001 को वसीयत में प्राप्त हुआ है। उक्त मकान पर श्री टीकमचंदजी के नाम से नामांतरण की कार्यवाही नगरपालिका परिषद मंदसौर में प्रचलित है, जिसका प्रमाणपत्र राजस्व अधिकारी नगर पालिका परिषद मंदसौर द्वारा दिनांक 09.03.2023 को दिया गया है।

उक्त सम्पत्ति पर श्री टीकमचंद द्वारा IDFC First Bank (MBL) Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से सात दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होकर बैंक द्वारा ऋण स्वीकृति की कार्यवाही कर दी जावेगी। सो सूचित हो।

भवदीय

दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in